मरकुस

यहुन्ना बपतिसमा देय वाले अउर उइ केर सन्देसु

1 परमेसुर के बेटवा यीसु मसीह के सुसमाचारु
केर सुरुआति।
[2]जइस यसायाह नवी केरी पोथी मा लिखा हइ,
कि देखउ, हम अपन दूत क तोहरे आगे भेजित हय,
जउन तोहरे खातिर मारग सुधरिहइ।
[3]जंगल म एकु पुकारइ वाले क सबद सुनाई देत
हय क परभु केर मारग तयार करउ अउर उइ की रस्तन
की सीधी करउ।
[4]यहुन्ना आवा, जउन जंगल म बपतिसमा देत
अउर पापन केर माफु केर खातिर मन फिराउ क
बपतिसमा केर परचारु करति रहइ।
[5]अउर सबै यहुदिया देस अउर येरुसलेम केर
सबइ रहइ वालेन का निकरि कइ वहि के पास गये
रहेन अउर अपन पापन क मानि कइ यरदन नदी
वहिते बपतिसमा लिहिनि।
[6]यहुन्ना ऊँट के रोअंन क कपरा बस्तर पहिन क
अउर अपन कमर मां चमड़े क पटुका बाँधे रहति
रहइ। अउर टिड्डिन अउर बन सहत मधु खावा करति
रहइ। [7]अउर यहु परचारु करति रहइ कि हमरे बादि
उइ आवइ वाले हइ, जउन हमते सक्तिमान हइ, हम
ई जोग्य नाहीं कि झुकि कई, वहिके जूतन क
बन्धन खोली। [8]हम तउ तोहिका पानी ते बपतिसमा
देइत हइ, पर ऊ तुमका पवित्तर आतमा म बपतिसमा
देई।

यीसु केर बपतिसमा अउर परिच्छा

[9]उन दिनन म यीसु गलीलन के नारसत ते आइकइ
यरदन म यहुन्ना ते बपतिसमा लिहिस। [10]अउर जबै
ऊ पानी ते निकरि कइ ऊपर आवा तउ तुरतइ ऊ
आकास के खुलति अउर आतमा केर कबूतर कि नाई
अपन ऊपर उतरति देखिसि। [11]अउर ई आकासवानी
भइ कि तू हमार पियारा बेटवा हइ, तोहिते हम
परसन्न हन।
[12]तबइ आतमा तुरतइ वहिका जंगल की ओर
भेजिस। [13]अउर जंगल म चालीस दिन तक सइतान
वहिकी परिच्छा किहिस अउर ऊ बन पसुन के साथइ
रहा, अउर सरगदूत वहि की सेवा करति रहयं।

पहिले सिस्यन केर बुलावा जाई

[14]यहुन्ना क पकड़वावइ जाय के बादि यीसु
गलील मा आइकेइ परमेसुर के राज क सुसमाचारु
क परचारु किहिन। [15]अउर कहिन समय पूर भवा हइ
अउर परमेसुर क राजु आइ गवा हइ मन बदलउ।
अउर सुसमाचारु पै विसवास करउ।
[16]गलील केर झील केर किनारे जाति रहे उइ
समौन अउर उइके भाई अद्रियास केर झील म जालु
डारति देखिसि, काहे ते उइ मछुवारे रहइ। [17]अउर
यीसु उनते कहिन, हमारेइ पाछे चले आउ अउर हम
तुइका मनइन क मछुवा बनाइब। [18]उइ तुरतइ जालन
केर छोरि कै वहि केर पाछे हुइ लिहिन।
[19]अउर कुछु आगे बढ़ि कइ ऊ जबदी केर बेटवा
याकूब अउर वहिके भाई यहुन्ना केर नाउ पै जालन
केर सुधारत देखिसि। [20]वह तुरतइ उन्ह का बुलाइसि
अउर ऊ अपन पिता जबदी केर मजूरन केर साथइ
नाउ पे छोरि कइ ऊ के पाछे चला गवा।

कफरनहूम नगर म उपदेसु अउर अचरज केर कामु

[21]अउर उइ कफरनहूम म आये अउर तुरतइ सबत
के दिन सभाघरु म जाइ के उपदेसु करइ लाग।
[22]अउर लोगु उइ के उपदेसं ते चकित भये काहे ते
ऊ उन्हका सास्त्रियन कि नाई उपदेसु देत रहइ।
[23]अउर वही समय उन्ह की सभाघर म एकु मनई
रहइ जेहिमा एकु दुस्ट आतमा रहइ। [24]ऊ चिल्लाइ
के कहिस ए यीसु नासरी, हमका तोहिते का कामु का
तुइ हमका नास करे आवा हइ? हम तोहिका जानति
हइ। तुइ कउनु हइ? परमेसुर केर पवित्तर मनई।
[25]यीसु वहिका डांटि के कहिन, चुप रहउ अउर

वहिमा ते निकसि जाउ। [26]तबइ दुस्ट आतमा उइ का मरोरि कइ अउर बड़े सबदन ते चिल्लाइ कइ वहिमा ते निकसि गई।

[27]यहि पइ सबइ लोग अचरज करत भए आपस म वादु–विवादु करइ लाग कि ई का बात हइ? ई तउ कउनउ नवा उपदेसु हइ, ऊ अधिकारु के साथइ दुस्ट आत्मा केर आग्या देति हइ अउर उ वहिकी आग्या मानति हइ। [28]तउ सो वहिका नामु तुरतइ गलील केर आस पास केर सारे देस म सबइ जगहन मा फैलि गवा।

यीसु बहुतन केर चंगा किहिन

[29]अउर ऊ तुरतइ आराधनालय मा ते निकरि कइ याकूब अउर यहुन्ना के साथइ समौन अउर अन्द्रियास के घर आवा। [30]अउर सिमौन की सास ज्वर ते परेसान रहइ, अउर उइ तुरतइ वहि केर बारे मं उइते कहिन। [31]तबइ ऊ पासइ जाइके वहिका हाथु पकरि कइ उठाइसि अउर वहिका ज्वर उइ पर ते उतरि गवा। अउर उइकी सेवा टहल करइ लाग।

[32]सांझ क जबइ सूरज डूबि गवा तबइ लोग सबइ बीमारन क अउर उनहुन क जिन्हमा दुस्ट आतमाएं रहइ वहिके पास लइ आए। [33]अउर सारेइ नगर दरवाजे पइ इकट्ठा भवा। [34]अउर ऊ बहुतन क जउन बहुती परकार की बीमारिन ते दुखी रहंइ, चंगा किहिन अउर बहुती दुस्ट आतमा के निकालिन अउर दुस्ट आतमन क बोलइ नाई दिहिन, काहे ते वी वहिका पहिचानिसि नाइ रहइ।

यीसु पराथना कइ खातिर अकेले म जाउब

[35]अउर भोर का दिन निकरइ ते बहुतइ पहिलेइ ऊ उठि कइ निकरा अउर एकु जंगली जगह मां गवा, अउर हुंआ परारथना करइ लाग। [36]तबइ समौन अउर उइ के साथिउ वहिकी खोज मं गये। [37]जबइ वह मिला तब वहिते कहिसि कि सबइ लोग तुहिका ढूंढ़ति हंइ।

[38]ऊ उनते कहिसि आउ हम अउर कउनउ आसे पास कि बस्तिन मं जाई कि हम उहउ परचारु करी काहे ते हम यही खातिर निकरेन हइ। [39]सो ऊ सारेइ गलील मं उइ केर सभन म जाइ कै परचारु करति अउर दुस्ट आतमा का निकारति रहा।

कुस्ठरोगन केर सुद्ध किहिन

[40]अउर एकु कोढ़ी वहिके नेरे आइके वहि ते बिनती कहिस अउर वहिके समुहे घुटनन क टिकाइ के ऊ ते कहिसि, अउर तुइ चाहइ तउ हम सुद्ध करि सकति हइ।

[41]ऊ उन्ह पर तरसु खाइ के हाथु बढ़ाइसि अउर वहि का छुइके कहिस। हम चाहित हइ तुइ सुद्ध होई जाय। [42]अउर तुरतइ वहिका कोढु जाति रहा, अउर ऊ सुद्ध होइगा।

[43]तबइ ऊ वहिका चिताइ के तुरतइ बिदा किहिस। [44]अउर ऊ ते कहिन देखउ कउनउ ते कुछू न कहेउ, पै जाइके अपन आप क जाजक क दिखाउ, अउर अपन सुद्ध होइके बारे म जउन कछु मूसा ठहराइन हउ ऊ भेट चढ़ाउ जेहिते उन्ह पै गवाही होई। [45]ऊ बाहर जाइके ई बात क बहुतइ परचारु करइ अउर हियां तलक फइलावइ लाग कि यीसु फिर खुल्लमखुल्ला नगर म न जाइ सका। पर बाहरेइ जंगली स्थानन म रहा, अउर चारिउ ओर ते लोग वहिके नेरे आवत रहै।

यीसु लकवे कइ रोगिन केर ठीक करिन

2 कइयउ दिन बादि ऊ फिर कफरनहूमम आवा, अउर सुना गवा कि ऊ घर मा हइ। [2]फिर लोग इकट्ठे भये कि दुअरे के पास जगह नाही मिली अउर ऊ उन्हका (परमेसुर केर) बचनु सुनाइ रहा रहइ। [3]अउर लोगन एकु लकवे के मारे भये रागी क चारि मनई ते उठवाइ के नेरे लइ आए। [4]जबई भीड़ के कारन उइ के नेरे पहुंचि सके, जउनी छत के नीचे ऊ रहइ, खोलि दिहिन अउर जबइ उइका उघारि चुकेइ तबइ उइ खाट क जेहि पइ लकवा क मारा लेटा रइह लटकाइ दिहिन। [5]यीसु उन्हका बिसवासु देखि कइ उइ लकवा क मारे भये ते कहिन ए बेटवा तोहरे पाप माफु भए।

[6]तबइ कइयउ याक सास्तरी जउन हुंवइ बैठेइ रहइं अपन–अपन मन मां विचारु करेइ लागि [7]कि ई मनई काहे अइस कहति हइ? ई तउ इहि परमेसुर कि निन्दा करत हइ, परमेसुर केर छाँड़ि के अउर कउनु पापन केर माफु कइ सकति हइ?

[8]यीसु तुरतइ आतमा म जानि लिहिन कि वह अपन–अपन मन म अइस विचारु कइ रहे हइ अउर उन्हते कहिन कि तुम अपने मन म यहु विचारु कहे कइ रहे हउ? [9]सहज का हइ? का लकवा क मारे ते ई कहब कि तोहरे पाप माफु हुइगे या इउ कहबु कि उठि अपन खटिया उठाइ के चलउ–फिरउ? [10]पइ जेहिते तुम जानि लेउ कि मनई के बेटवा क धरती पै पाप केर माफु करइक अधिकारु हइ, ऊ उइ झोले के मारे भये रोगी ते कहिन। [11]हम तुमते कहित

इह, उठउ अपन खटिया उठाइ के अपन घरइ क चले जाउ। 12अउर ऊ उठा अउर तुरतइ खटिया उठाइके अउर सबहिन के समुहे निकरि कइ चला गवा। ई पइ सबइ चकित हुइगे अउर परमेसुर की बड़ाई करिके कहइ लाग कि हम अइस कबहूं नाई देखेन।

लेवीय का बुलावा जाना

13ऊ फिर बाहेर निकरि कै, झील के किनारे गवा अउर भारी भीड़ उइ के नेरे आइ गई अउर ऊ उन्हका उपदेसु देइ लाग।

14जाति भएउ (यीसु ने) हलफइ के बेटवा लेवी का चौकी प बइठ देखिन अउर उइते कहिसि हमार पाछे होइ लेउ।

15अउर ऊ उठि कइ वहि के पाछे हुइ लिहिस, अउर ऊ वहिके घर मां भोजनु करइ क बइठ अउर बहुतेइ चुंगी लेने वाले अउर पापिउ यीसु अउर उइके चेलन के साथइ भोजन करइ बइठ, काहे ते उइ बहुतइ रहइ, अउर उइके पाछे हुइ लिए रहइ। 16अउर सास्त्रिन अउर फरीसियन ने ई देखि कइ कि ई तउ पापिन अउर चुंगी लेइ वालेन के साथइ भोजनु करि रहा हइ। वहिके च्यालन ते कहिन ऊ तौ चुंगी लेइ वालेन अउर पापिन के साथे खाति–पियति हइ।

17यीसु ई सुनिकइ उनते कहिन भले चंगन क बैद की जरूरत नाहीं रहति। रोगिन का पापिन का बुलावइ के खातिर हम आये हन धरमिन का नहीं।

उपवासु केर परसंग

18यहुन्ना के चेला, अउर फरीसी उपवासु करति हइ। तउन उइ आइके ऊ ते कहिन कि यहुन्ना के च्याला अउर फरीसियन के च्याला काहे उपवासु राखति हइ? पर तोहारि च्याला उपवासु नाई राखति हइ?

19यीसु उन्ह ते कहिन, जबै तलक दुलहा बरातिन के साथइ रहति हइ का उइ उपवासु करि सकति हइ? तउ जबइ तलक दुल्हा उनके साथ हइ तब तलक उइ उपवासु नाई करि सकति। 20पर उइ दिन अइहंइ कि दुल्हा उनते अलग कीन्ह जइहइ। उइ समय वइ उपवासु करि हइ।

21कोरे कपड़न क पइबन्दु पुरान पहिरावउन पइ कउनउं नाई लगावति, नाई तउ ऊ पइबन्दु उइ मा ते कछु खींचि लेइहइ यानी नवा, पुरान ते अउर फटि जाई। 22नवा दाखरस पुरान मसकन कउनउ नाई राखति, नाई तउ दाखरस मसकन क फारि देई, अउर दाखरस अउर मसकइ दोनउ नस्ट हुइ जइहइं पइ दाख क नवा रस नई मसकन म भरा जाति हइ।

विसराम दिवस

23अउर अइस भवा कि ऊ सबत के दिन खेतन म ते होइ कइ जाति रहइ अउर वहि केर चेला चलति भये बालिन क तोड़इ लागि। 24तबइ फरीसियन ऊ ते कहिन, देखउ ई सबत के दिन ऊ काम काहे करति हइ, जउन उचित नाई?

25वहि उनते कहिसि, का तुम कबहूं नाहीं पढ़ेउ कि जबै दाउद क जरुरत भई अउर जबइ ऊ अउर ऊ के साथी भूखे भये, तब ऊ का कहिसि रहइ? 26वहु काहे ते अबियासार महायाजक के समय म परमेसुर के भवन म जाइके भेंट की रोटिन क खाइस जेहिका खाइ क याजकन क छाँड़ि कइ कउनउ क उचित नाही अउर अपन साथिन क दिहिस।

27अउर ऊ उनते कहिसि सबत क दिन मनई के खातिर बनावइ गया हइ, न कि मनई सबत के खातिर। 28इहि ते मनई क बेटवा सबत दिनउ क मालिक हइ।

3 अउर ऊ परारथना घर मां फिरि गवा, अउर हुवां एकु मनई रहइ जेहिका हांथु सूखि गवा रहइ। 2अउर उइ ऊ पइ दोसु लगावइ के खातिर ऊ कि घात मां लाग रहइं कि उई देखइ कि ऊ सबत केर दिन मां ऊका चंगा करति हइ कि नाई। 3ऊ सूखे हाथ वाले मनई ते कहिसि बीच मां खड़े होउ।

4अउर ऊ कहिसि कि का सबत के दिन भला करब ठीक हइ या बुरा करबु, परान क बचाउब या मारबु पर उइ चुपइ रहै।

5अउर वह उनके मन केर कठोरता ते उदास होई के उन्हका कुरोध ते चारिउ ओर देखिसि अउर उइ मनई ते कहिसि अपनु हाथु बढ़ावउ, वह बढ़ाइसि अउर उइका हाथु चंगा होइ गवा। 6तबई फरीसी बाहर जाइके तुरतइ हेरोदियन के साथइ ऊ के विरोध मां सलाह–सूत करइ लाग। उइका कउनी तरह नास करइ।

यीसु केर पाछे भीड़

7अउर यीसु आपने चेलन के साथइ झील की ओर चला गवा अउर गलील ते याक भारी भीड़ उइके पाछे हुइ लिहिसि। 8अउर यहूदिया, अउर यरुसलेम अउर इदुमियां ते, अउर यरदन के पार, अउर सूर अउर सैदा के अउर आसइ पास ते एकु भारी भीड़ ई सुनिकै, कि ऊ कइस अचम्भा के काम करति हइ,

ऊ के नेरे आई। [9]अउर ऊ अपन चेलन ते कहिसि, भीड़ के कारन एकु नाउ हमरे खातिर तइयार रहइ जेहिते उइ हमका दबाइ न सकइ। [10]काहे ते उइ बहुतन क चंगा किहिस रहइ इह खातिर जितनेइ लोग रोग ते पीड़ित रहइं ऊ का छुवइ के खातिर ऊ पइ गिरत परेइ रहइं। [11]अउर दुस्ट आतमउ जबइ उइका देखति रहइ तउ उइ के आगेइ गिरि परति रइह। अउर चिल्लाइ कइ कहति रहइ कि तुइ परमेसुर क बेटवा हइ। [12]अउर ऊ उनहुन का बहुतइ चेताइसि कि हमका परगट न किएउ।

बारह परेरितन केर नियुकति

[13]फिर वहु पहाड़ पइ चढ़ि गवा, अउर जिनहिन क ऊ चाहति रहइ, उनहिन क अपन नेरे बुलाइसि अउर उइ ऊ के नेरे आइ गए। [14]तब वह बारह मनइन क चुनिसि कि उइ उइके साथइ साथ रहइ अउर ऊ उन्हका भेजइ कि परचारु करइं। [15]अउर दुस्टआतमान क निकासइ क अधिकारु राखइं। [16]अउर वह ई हई। समौन जेहिका नाउ ऊ पतरस राखिसि। [17]अउर जबदी केर बेटवा याकूब, अउर याकूब कौ भाई यहुन्ना, जिन्हका नाउ ऊ बुअनरगिस, यानी गरजन केर बेटवा राखिसि। [18]अउर अन्द्रियास, अउर फिलिप्पुस, अउर बरतुलमै, अउर मत्ती अउर थोमा, अउर हलफई क बेटवा याकूब, अउर तद्दी, अउर समौन कनानी। [19]अउर यहूदा ईसकरियोती, जउन वहिका पकरवाइव दिहिस।

यीसु अउर सैतान

[20]अउर ऊ घर मां आवा, अउर अइसि भीड़ इकट्ठी हुई गयी कि उइ रोटिउ न खाइ सकें। [21]जबइ वहिके कुटुम्बिन ई सुनिन तउ उइका पकड़इ केर खातिर निकरे काहे ते उइ कहति रहइ कि वहिका चित्तु ठिकाने नांहि हवै।

[22]अउर सास्त्री तउ यरुसलेम ते आएइ रहइं, ई कहति रहइं कि वहिमा सैतान हइ, अउर इहउं ऊ दुस्ट आतमन के सरदार केर सहारे ते दुस्ट आतमन क निकारति हइ।

[23]अउर ऊ वहु उनहका नेरे बुलाइ क उनह ते उदाहरनु दइ के कहइ लाग, सैतान काहे ते सैतान क निकारि सकति हइ? [24]अउर अगर कउनउ घरमा फूट परइ तउ ऊ राखि ते कइसइ इसथिर बनी रहि सकति हइ। [25]अउर अगर कउनउ घरमा फूट पर तउ ऊ कइसइ बना रहि सकति हइ? [26]अउर अगर सैतान अपनइ विरोधी होइ कइ अपनइ में फूट डारइ तउ ऊ काहे ते बना रहि सकत हइ? उइ का अब अन्तइ होइ जाति हइ। [27]पइ कउनउ मनई कउनउ बलवान के घर मां घुसि कइ ऊ का माल लूटि नाहीं सकति, जबइ तलक कि उइ पहिलेइ वहि बलवान क न बांधि लेइ अउर तबइ वहि के घर क लूटि ले हइं। [28]हम तोहि ते सांचइ कहति हइ, कि मनइन कि सन्तानन के सबइ पाप अउर निन्दा जउन वी करति हइ माफु कीन जइहंइ। [29]पर जउन कउनउ पवित्तर आतमा का विरोधु अउर निन्दा करइ ऊ कबहूं माफु नहीं कीनि जइ हइ बल्कि ऊ अपराधी ठहरति हइं।

[30]काहे ते वइ कहति रहइं कि उइमा दुस्ट आतमा हइ।

यीसु केर महतारी अउर भाई

[31]अउर उकी महतारी अउर उइके भाई आए, अउर बहरेह होइ कइ उइका बुलावाइ भेजिनि। [32]अउर भीर ऊ के आस–पास बइठी रहइ अउर उनहुन उइते कहिन देखउ, तोहार महतारी अउर तोहार भाई बाहरइ तोहिका ढूंढ़ति हइ।

[33]ऊ उन्हका जवाबु दिहिस कि हमार महतारी अउर हमार भाई कवनु हइ?

[34]अउर उन्ह पइ जउन उइके आसइ पास बइठइ रहइं निगाह डारि कइ कहिसि, देखउ हमारि महतारी अउर हमार भाई हइं। [35]काहे ते जो कोउ परमेसुर की इच्छा पर चलइं वहइ हमार भाई, अउर बहिनी, अउर महतारी हइ।

बीज बोवइ वाले किसानन केर उदाहरनु

4 वह फिर झीलइ के किनारे उपदेसु देइ लाग; अउर अइस भीड़ उनके नेरे इकट्ठी हुइं गइ कि ऊ झील मां याक नाउ प चढ़िके बैठि गवा, अउर सारेइ भीड़ धरती पइ झील के किनारे खड़ी रहि गई। [2]अउर ऊ उनका उदाहरनन मा बहुतइ बातइं सिखावइ लाग अउर आपन उपदेसु उनते कहिसि। [3]सुनत देखउ, एक बोवइ वाला (बोवनी करइ वाला) बीज बोवन के खातिर निकरा। [4]अउर बोवति समय, कछु मारग के किनारे गिरि गवा अउर पच्छिन आइ कइ उइका चुगि लिहिन। [5]अउर कुछ पथरीली जमीन पर गिरा जहां उइका बहुत माटी नाई मिला अउर गहिरी माटी न मिलय के कारन जल्दिइ उगि आवा। [6]अउर जबइ सूरज निकरि आवा तबइ जलि गवा, अउर जर न पकरइ के कारन सूखि गवा। [7]अउर कछु तौ झाड़िन म गिरा अउर झाड़िन बढ़ि कइ ऊका, दबाइ लिहिन, अउर

ऊ फलु नाई लावा। [8]पइ कछु अच्छी भूमि पर गिरा रहई अउर ऊ उगि आवा, अउर बढ़ि कइ फलि गवा, अउर कउनउ तीस गुना, कउनउ साठ गुना, अउर कउनउ तउ सौ गुना फल लावा।

[9]अउर ऊ कहिसि जेहिके पास सुनइके खातिर कानु होइ ऊ सुनि लेइ।

[10]जबइ वह अकेल रहि गवा, तउ उइके साथिन उन बारहउ के समेत उहिते इन उदाहरन के बारे म पूछिसि। [11]ऊ उन्हते कहिसि तुमका तउ परमेसुर के राज के भेदन कि समझ दीन गई हइ, पर बाहर वालेन के खातिर सबइ बातेइ उदाहरनन म होति हइ [12]ई खातिर कि वइ देखे का हुवै देखैं अउर उन्हका सुझाई न परइ अउर सुनति भयेन सुनइ, अउर न समुझइ, अइस न होइ वह फिरिउ, अउर छिमउं न किएइ जाइ।

[13]फिर ऊ उनते कहिसि का तुमई उदाहरन क नाहीं समंझति? तउ फिर अउर सबइ उदाहरन क कइसे समझिहउ। [14]बोवई वाला वचन बोवति हइ। [15]जउन मारग के किनारे के हइं जहां वचनु बोवा जाति हइ। [16]अउर वइसइ जउन पथरीली जमीन प बोये जाति हइ ई वइ हइ, कि जउनु वचनु क सुनि कइ तुरतइ आनन्द ते गरहन करि लेत हइ (अपनाइ लेत हइं)। [17]परन्तु अपन भीतरि जड़ न राखइ क खातिर थोरइ दिनन के खातिर रहति हइ, ई के बादि जबइ वचनु के काने उइ पइ कलेसु या उपदरव होत हइ, तउ वइ तुरतइ ठोकरु खाति हइ। [18]अउर जउन झाड़िन म बोये गये रहइं ई वइ हइं जउन वचन सुनिन। [19]अउर संसार की चिन्ता, अउर धन का धोखा, अउर दुसरी वस्तुन का लोभ उइ मां समाइ कइ वचनु का दबाइ देति हइ, अउर ऊ निसफल रहि जाति हइ। [20]अउर जउन अच्छी भूमि म बोए गये रहइं, ई वह हइं जउन वचनु सुनि कइ ध्यानु करति हइ अउर फलु लावति हइं, कवनउ तीस गुना, कवनउ साठ गुना, कवनउ सउ गुना।

दिये केर उदाहरनु

[21]अउर ऊ वहिते कहिसि का दिये क ई खातिर लावति हउ कि पैमाने या खटिया के नीचे रखा जाई? का यहि कि दीवट प रखा जाई? [22]काहे ते कउनउ वस्तु छिपै नाई, पइ ई खातिर की परगट होइ जाई। [23]अउर न कछु गुप्तइ, पर ई खातिर कि परकट होई जाइ। अगर कउनउ के सुनेइ के कान होई तउ सुनि लेइ।

[24]फिर ऊ उनते कहिसि, चौकसइ रहउ कि का सुनति हउ? जउन नाप ते तुइ नापति हइ वही ते तोहारेउ खातिरिउ नापा जाई, अउर ताकहिका अधिक दीन जाई। [25]काहे ते जेहिके पास हइ, उइ का दीन जाई। पइ जेहिके पास नाई हइ, वहिते जउनु वहिके पास हइ लय लीनि जाई।

उगेन वालेन बीज केर उदाहरनु

[26]फिर ऊ कहिसि परमेसुर का राज अइसइ हइ, जइस कउनउ भूमि पइ बीजु बोवइ। [27]अउर राति का सोवइ, अउर दिन का जागइ, अउर ऊ बीजु अइस उगइ अउर बढ़इ कि ऊ न जानइ। [28]धरती आपइ आप फल लावति हइ, पहिलेन अंकुर, तबइ बाली, अउर तबइ बालिन म तइयार दाना। [29]पर जबइ दाना पकि जाति हइ तबइ ऊ तुरतइ हंसिया लगावति हइ। काहे ते कटनी क समय आइ गवा हइ।

राई केर बीज केर उदाहरनु

[30]फिरि ऊ कहिसि हम परमेसुर के राज केर उपमा केहिते देई अउर कउन उदाहरन ते वरनन करी। [31]परमेसुर केर राज वहु राई के दानइ के समान हइ, जबइ भूमि म बोवा जाति है तबइ भूमि की सबइ बीजन ते छोटा होत हइ। [32]पर जबइ बोवा गवा तउ उगि कइ सबइ साग पातन ते बड़ा होइ जाति हइ। अउर उइकी अइसन बड़ी डारइ निकरति हइ कि आकास के पंक्षी उइ की छाया म बसेरु करि सकति हइं।

[33]अउरवहु उन्हका ई तरह के बहुतइ उदाहरन देइ—देइ कइ उनहुन कि समझ के मुताबिक वचनु सुनावति रहइ। [34]अउर बिना उदाहरन कहे उनते कुछ नाई कहति रहइ, पर अकेले मं ऊ अपन निज के चेलन क सबइ बातन क अरथु बतावति रहइ।

तूफान केर सान्त किहिन

[35]वही दिन जबइ सांझ भई, तउ ऊ उनते कहिस आउ, हम पार चली। [36]अउर उइबे भीड़ क छाड़ि कइ जइस ऊ रहइ वइसइ उनहुक नाव पे साथइ लइ चलो, अउर ऊ के साथइ, अउरउ नावइ रहइं। [37]तबइ बड़ी आंधी आई, अउर लहरइ नाउ प हिया तलक लागी कि अब पानी ते भरी जाती रहइं। [38]अउर ऊ (यीसु मसीह) खुद पहिल भाग म गद्दी पै सोइ रहा रहइ। तबइ उइ ऊ का जगाइ के उइते कहि हे गुरु का तोहिका हमार चिन्ता नाही कि हम नासि भये जाइति हइं?।

[39]तबइ ऊ उठि कइ आंधी कइ डांटिसि अउर पानी

ते कहिस सान्त रहउ, थमि जाउ, अउर आंधी थमि गई अउर बड़इ चैनु हुइ गवा।

40अउर उनते कहिसि तुम काहे डरति हउ? का तुम्ह का अबइ तलक बिसवासु नाई?

41अउर उइ बहुतइ डरि गये, अउर आपस म बोले, ई कवनु हइ कि आंधी अउर पानिउ उइकी आग्या मानति हइं।

दुस्ट आतमन ते जकड़ी मनई का स्वस्थ करिन

5अउर उइ (यीसु) झील के पार गिरासेनियनस के देस मं पहुंचि गये। 2अउर जबइ ऊ नाव ते उतरा तबइ तुरतइ याक मनई जहिमा दुस्ट आतमा रहइ कबरन ते निकरि कइ ऊ का मिलि गवा। 3ऊ कबरन मं रहा करति रहइ, अउर कउनउ उइ का सांकलन तेउ नाई बांधि सकति रहइ। 4काहे ते ऊ बार–बार बेड़ियन के टुकड़े–टुकड़े करि दिहिस रहइ। अउर कउनउ उइका बस मां नाइ करि सकति रहइ। 5ऊ बराबर राति–दिन कबरन अउर पहारन म चिल्लात अउर अपनेइ आप का पथरन ते घायल करति रहइ।

6ऊ यीसु क दूरइ ते देखि कइं दौरि परा अउर ऊ का परनामु किहिस अउर ऊंचई सबदन में चिल्लाइ कइ कहिसि। 7हे यीसु, परमपरधान परमेसुर के बेटवा मोहिका तोहिते का कामु? मइ तोहिका परमेसुर की सपथ देइत हइ कि मोहिका पीर न देइ। 8काहे ते वहिते कहिसि रहइ हे दुस्ट आतमा, ई मनई ते निकसि आउ परमेसुर केर सपथ हमका न सताउ।

9ऊ यीसु वहिते पूछिसि, तोहार का नाम हइ? ऊ यीसु वहिते कहिस हमार नाम सेना हइ; काहे ते हम बहुतइ हन। 10अउर ऊ वहिते बिनती किहिस रहै, हमका ई दुसे के बहिरे न भेजव।

11उहां पहार पइ सुअरन क एकु बहुतइ बड़ा झुंड चरि रहा रहइ। 12अउर उइ वहिते विनतीकइ कइ कहिसि कि हमका उइ सुअरन म भेजि देउ, कि हम उनके भीतरइ जाई। 13सोउ ऊ यीसु उन्हका आग्या दिहिस अउर दुस्ट आतमा निकरि कइ सुअरन के भीतरइ पैठि गई अउर झुंड जउन कउनउ दुइ हजार क रहइ कगारि ते झपटि कइ झील म जाइ गिरा अउर डूबि कइ मरि गवा।

14अउर उन्हके चरवाहउ भागि कर नगर अउर गाँवनु म जाइ करि समाचारु सुनाइनि। 15अउर जउन हाजिर रहइ लोग उइका देखइ आए अउर यीसु के नेरे आइ कइ ऊ का जेहिमा दुस्ट आतमाएं रहइ यानी जेहिमा सेना समाई रही कपरा पहिनिन अउर सचेतइ बैठइ देखि कइ भय खाइगे। 16अउर देखइ वालेन ऊ का जेहिमा दुस्ट आतमाएं रहइ सुअरन केर पूर हालु उन्हका कहि सुनाइनि। 17अउर उइ लोग उइते बिनती करि कहइ लाग कि हमरे सिखावन ते चले जाउ।

18अउर ऊ नाव पइ चढ़इ लाग तबइ ऊ मनई जेहिमा दुस्ट आतमाएं पहिलेन ते रहइ ऊ ते विनती करइ लाग कि मोहिका अपनेइ साथइ रहइ देउ। 19ऊ यीसु उइका आग्या न दिहिस अउर उइते कहिसि अपन घरइ जाइ कइ अपन लोगन क बताउ कि तुहि पइ दया करि कइ परभु तोहरे खातिर कइस बड़ेइ कामु किहिस हइ। 20ऊ जाइकइ दिकपुलिस म ई बात क परचारु करइ लाग कि यीसु हमार खातिर कइस कइस बड़ेइ कामनु क किहिसि अउर सबइ अचरज करति रहइ।

मरइ बिटिया अउर बिमार औरत

21जबइ यीसु नाउ ते झील केर पार गये तबइ याक बड़ी भीड़ इकट्ठा हुइ गई। 22अउर उइ झीलइ के किनारेइ रहइ याईर नाउ क आराधनालय के पुजारिन म ते एकु आवा, अउर वहिका देखिकइ ऊ के पावन पइ गिरि पड़ा। 23अउर ऊ ई कहिसि कइ बहुतइ विनती किहिस कि हमारी छोटी बिटिया मरइ पै हइ, तुइ आइकइ ऊ पै आपन हाथु राखउ कि ऊ चंगी हुइ कइ जीयतइ रहई। 24तबइ ऊ (यीसु) उइके साथई चला अउर याक बड़ी भीड़ उइके पीछे हुइ लिहिसि हियां तलक कि लोग उइ पइ गिरत परति रहई। 25अउर एकु अउरत, जेहिका बारह बरस ते खून बहइक रोगु रहा। 26अउर जउन अनेकन वैदन ते बहुतइ दु:खु उठाइसि अउर अपन सबई धनु खरचि कइ दिहइ, कछु लाभ न उठाइ पाइसि रहइ, बल्कि अउरउ रोगी हुइ गइ रहइ। 27यीसु की चर्चा सुनि पाइसि वहि भीड़ म उइके पाछे ते आई अउर ऊ के कपरन क छुई लिहिस। 28काहे ते ऊ कहति रहइ कि अगर हम उइ के बस्तरउ छुइ लेइब तउ चंगी हुइ जाइब। 29अउर तुरतइ ऊ का खून बहब बन्द हुइ गवा। अउर उइ अपन देही म जानि लिहिसि कि हम उइ बीमारी ते मुक्ति पाइ गयेन।

30यीसु तुरतइ अपन म जानि लिहिस कि हम मां समरथ सक्ति निकरी हइ अउर भीर मां पाछे फिरि कइ पूछिसि कि हमार कपरा कउनु छुइसि?

31उइके चेलन ऊ ते कहिनि कि तुइ देवता हइ कि भीर तोहरे प गिरि परति हइ, अउर तुइ कहति हइ कि कवनु मोहिका छुइसि?

32तबइ ऊ (यीसु) वहिका देखइ कि खातिर जउनु ई कामु क किहिसि रइह, चारिउ ओर देखिस। 33तबइ ऊ अउरत ई जानि के कि मोरि कइसि भलाइय भई हइ, डरति अउर कांपति भइ आई अउर ऊ के पाउनु प गिरि कइ ऊ ते सबइ हालु सांचइ सांचु कहि दिहिस। 34ऊ (यीसु) ऊ ते कहिसि बिटिया तोहार बिसवासु तुइ का चंगा किहिस हइ, कुसल ते जाउ अउर अपन ई बीमारी ते बचिइय रहउ।

35ऊ (यीसु) ई कहतइ रहइ कि पूजा घर के सरदार कइ घर ते लोगन आइकइ याईर ते कहिनि कि तोहार बिटिया तउ मरि गइ, अब काहे दुख देति हइ।

36जउन बात क उइ कहि रहेइ, वहिका यीसु अनसुनी कर कइ पूजा घर के सरदारु ते कहिसि, डरउ नाहिं केवलु बिसवासु राखउ।

37अउर ऊ (यीसु) पतरस अउर याकूब के भाई यहुन्ना केर छोड़ि कै अउर कउनउ क अपने साथइ आवइ नाहिं दिहिस। 38अउर पूजाघरु के सरदारु के घर पर पहुचि कइ ऊ लोगन क बहुतइ रोवति अउर चिल्लावति देखिसि। 39तबइ ऊ (यीसु) भीतरि जाइके उइतेकहिसि तुम काहे रोवति अउर काहे हल्ला मचावति हइ? बेटउनी मरी नाहिं हइ, पर सोइ रही हइ। 40ऊ की हंसी करइ लागि पर ऊ (यीसु) सबन के निकारि कइ बिटेउनी की महतारी अउर बापु क अउर अपन साथिन क लइ कइ भीतरि जहां बिटउनी परी रहइ गवा। 41अउर बिटेउनी क हाथु पकरि कइ ऊ ते कहिसि ''तलीता कूमो''! ''जेहिके माने हइ कि हे बिटउनी हम तोहिते कहित हउ उठउ''। 42अउर बिटेउनी तुरतइ उठि कइ चलइ फिरउ लागि। काहे ते ऊ बारह बरस की रहइ अउर ई पइ लोग बहुतइ चकित हुइगे।। 43फिरि ऊ उनका चितइ कइ आग्या (हुकुम) दिहिसि कि ई बातु क कउनउ जानइ न पावइ, अउर कहिसि कि उइका कुछ खाए क दियइ जाइ।

नबी अपमानु

6यीसु उहां ते निकरि कइ अपन देस मं आवा, अउर ऊ के चेलउ ऊ के पाछे हुई लिहिन। 2सबत के दिन ऊ (यीसु) पूजा घर म उपदेसु करइ लाग, अउर बहुतइ लोग सुनिकइ चकित हुइगे अउर कहइ लाग, ईका ई बातइ कहां ते आइ गई? अउर कइसे इ सामरथ के काम ई के हाथन परगट होति हइं? 3का इउ उहइ बढ़ई नाई जउनु मरियम क बेटवा अउर याकूब, योसेस यहूदा, अउर सिमौन का भाइय हइ, अउर का उइकी बहिने इहां हमरे बीच म नाहीं रहती? ई ते उनहुन ऊ के बारे म ठोकरु खाइन।

4यीसु उनते कहिसि कि नबी अपन उपदेसु अउर अपन कुटुम्ब अउर अपन घरु का छोड़ि अउर कहउं निरादरु नाहीं होति। 5अउर ऊ उहां कउनउ सामरथ क कामु न करि सका केवलु थोरेइ रोगिन कइ हाथु थामि कइ उनहका चंगा करि दिहिस।

6अउर ऊ उन्हके अविसवासु पइ अचरजु किहिस। अउर चारहु ओर के गांवन म उपदेसु करत फिरा।

परेरितन का भेजिन

7अउर ऊ बारहों परेरितन क अपनेइ पास बुलाइ कइ उन्हका दुइ–दुइ करिकइ भेजइ लाग अउर उन्हका दुस्ट आतमन प अधिकारु दिहिस।

8अउर ऊ (यीसु) उन्हका आग्या दिहिस कि मारग के खातिर लाठी छोड़ अउर कुछउ न ले, न तउ रोटी न झोरी अउर न बटुआ म पइसेई। 9यइ जूतिन क पहिनेउ अउर दुइ–दुइ कुरता न पहिनउ। 10अउर ऊ उन्हते कहिसि, जउनउ कहूं तुइ कउनउ घरु म उतरउ तउ जब तलक हुवांते विदा न होउ, तब तलक वही म ठहरे रहउ। 11जउन कउनउ लोग तुहिका गरहन न करइ, अउर तोहरी न सुनइ उहां ते चलतइ अपन तरवन की ध ूलि झारि डारिउ कि उन्ह पइ गवाही होइ।

12अउर उनहुन जाइ कइ परचारु किहिन कि मन क फिराउ। 13अउर बहुतेरी दुस्ट आतमन का निकासिन। अउर बहुतइ रोगिन पइ तेल मालिस कइ उन्हका चंगा किहिन।

यहुन्ना बपतिसमा दाता केर मऊत

14अउर हैरोदेस के राजा ऊ की चरचा सुनिन काहे ते उइका नामु फैलि गवा रहइ। अउर ऊ कहिस कि यहुन्ना बपतिसमा देइ वालेन मरे हुअन म ते जी उठा हइ। यही ते उइ तेई सामरथ के काम परगट होति हइं।

15अउर अउरन कहिन ई इतिय्याह हइ, पइ दुसरेन कहिनि कि नबी या नबिन मा ते कउनउ याक के समान हइ।

16हैरोदेस ई सुनिकइ कहिसि जउन यहुन्ना क सिरु हम कटवावा रहेइ ऊ उठा हइ।

17काहे ते हेरोदेस आपइ अपन भाई फिपिप्पुस कि पत्नी हेरोदियास कि खातिर, जेहिते ऊ बियाहु किहिस रहइ लोगन क भेजि कइ यहुन्ना क पकरवाइ कइ बन्दी घर म डारि दिहिस रहइ। 18काहे ते यहुन्ना हेरोदेस ते कहिसि रहइ कि अपनेइ भाई की पत्नी का

राखब तोहिका उचित नाइ हइ। [19]यहिते हेरोदियास ऊ ते बैरु राखति रहइ अउर ई चाहति रहइ कि उइका मरवाइ डारइ, पर अइस नाई हुइ सका। [20]कहे ते हेरोदेस यहुन्ना कइ धरमी अउर पवित्तर पुरुस जानिकइ ऊ ते डरति रहइ अउर उइका बचाएइ राखति रहइ। अउर ऊ की सुनि कइ बहुतइ घबराति रहइ, पर आनन्द से सुनति रहइ।

[21]अउर ठीकइ अवसरु पइ जबइ हेरोदेस अपन जनम दिनु पइ अपन परधानन अउर सेना पतिन, अउर गलील के बड़ेइ लोगनु के खातिर दावत किहिस। [22]अउर वहइ हेरोदियास कि बिटिया भीतरि आई अउर नाचिकइ हेरोदेस अउर उइके साथइ बइठइ वालेन क परसन किहिसि, तबइ राजा लतकिसि कहिसि, तुई जउनु चाहइ मोहिते मांगिहइ, हम तोहिका देइब। [23]अर उइते सपथ खाइसि कि हम अपन आधउ राज तलक जउन कछु तू मोहिते मांगि हइ उइ का हम तोहिका देइब।

[24]ऊ बाहर क जाइकइ अपन महतारी ते पूछिसि कि हम का मांगी? ऊ कहिसि यहुन्ना बपतिसमा देइ वाले क सिरु ।

[25]ऊ तुरतइ राजा के नेरे भीतर क आइ गइ अउर ऊ ते विनती किहिसि हम चाहित हइ कि तू अबउ यहुन्ना बपतिसमा देइ वाले क सिरु याक थार मा मोहिका मंगवाइ देइ।

[26]तबइ राजा बहुतइ उदासु भवा पइ अपनेइ सपथ के खातिर अउर साथइ बइठे वालेन क खातिर उइका टारब न चाहिसिं। [27]अउर राजा तुरतइ याक सिपाहि क आग्या देइ कइ भेजिसि कि उइका सिरु काटि लावई। [28]ऊ जेल खाना ते सिरु काटि लावा अउर लड़की क दिहिसि अउर लड़की अपन महतारी क दिहिस। [29]ई सुनिकइ उइके च्याला आइगे अउर ऊ की लोथ उठाइ कइ कबर म राखि दिहिन।

पाँच हजार केर भोजन कराना

[30]परेरितन यीसु के पासइ आइकइ यकट्ठा हुइ कइ जउन कछु उइ कहिनि रहइ अउर सिखाइनि रहइ सबइ कछु उइका बताइ दिहिन। [31]वहु उनते कहिस तुइ खुदइ अलगइ कउन जंगल के स्थानु म आइकइ थोर विसराम करउ काहे ते बहुत लोग आवति जाति रहइ, अउर उन्हका खावइ क अवसरउ नाई मिलति रहइ।

[32]यहिते यीसु नाउ पइ चढ़िकइ सुनसान जगह म अलगइ चलेइ गये। [33]अउर बहुतन उन्हका जाति देखि कइ उहां पैदरि दउरे अउर उनते पहिलेइ जाइ पहुंचे। [34]ऊ निकरि कइ बहुतइ भीड़ देखिसि अउर ऊ पइ तरसु खाइसि काहे ते उइ उन्ह भेड़न के जइस रहइ, जिन्ह केर कउनउ रखवारु न होय। अउर ऊ उन्हका बहुतइ बातइ सिखावइ लाग।

[35]जबइ दिनु बहुतइ ढरि गवा, तउ ऊ के च्याला ऊ के नेरे आइके कहइ लाग। ई सुनसान जगह हइ अउर दिनु बहुतइ ढरि गवा हइ। [36]उन्हका बिदा करि कि चारिउ ओर के गांवन अउर बस्तिन म जाइ कइ आपन खातिर खाय क कछु मोलु लियएँ।

[37]ऊ उनहका उत्तर दिहिस, कि तुहइ उन्ह का खाइक देउ, उनहुन उइते कहिन का हम सउ दीनारन् की रोटी मोल लेइ अउर उन्ह का खिलाई?

[38]ऊ उन्हते कहिसि, जाइकइ देखउ तोहरे पासइ कित्ती रोटिय हंइ? उइ मालूम करि कइ कहिनि पांच रोटी अउर दुइ मछरी हय।

[39]तबइ ऊ उन्हका आग्या दिहिस कि सबहिन क हरियर घासु पइ पांति–पांति म बइठाइ देउ। [40]उइ सब सउ अउर पचास–पचास की पांतिन म बइठिगे। [41]अउर ऊ उइ पांच रोटिन क अउरु दुइ मछरिन क लिहिन अउर सरग की ओर देखि कइ धनवादु किहिन अउर रोटिन क तोरि–तोरि कइ च्यालन क देति गवा कि उइ लोगन क परोसइ अउर दुइ–दुइ मछरिउ साथइ म उइ सबन म बांटि देइ। [42]अउर सबई खाइके अघाइगे (तिरपत हुइगे) [43]उनहुन टुकरन ते बारह टोकरिन क भरि कइ उठाइन अउर कछु मछरिनउ ते। [44]जउन उइ रोटिन क खाइन, उइ पांच हजार मनई रहइ।

यीसु झील पै चलति

[45]तबइ ऊ तुरतइ अपन चेलन क बरबस नाउ प चढ़ाइसि कि उइ ऊते पहिलेइ उइ पार बइतसइदा क चलेइ जांय, जब तलक ऊ उइ लोगन क बिदा करइ। [46]अउर उन्ह का विदा करिकइ पहार पइ परारथना करइ क गवा।

[47]अउर जबइ सांझ भई, तउ नाउ झील के बीचइ म रहइ अउर ऊ अकेल धरती पइ रहइ। [48]जबइ ऊ देखिसि कि उइ खेवति–खेवति घबराइ गये हंइ, काहे ते हवा ऊ के उल्टेइ रहइ, तउ राति के चउथे पहर के पास ऊ झील प चलति भए उन्ह के पासइ आवा अउर उनह ते आगेइ निकरि जावा चाहति रहइ। [49]पइ उनहुन ऊ झील प चलति देखि कइ समझिसि, कि भूत हइ अउर चिल्लाइ उठे, काहे ते सबइ उइका देखि क घबराइ गये रहइ। [50]पइ ऊ तुरतइ उनते बातइ किहिसि अउर कहिसि ढाढ़स बांधेउ हम हन, डरउ

नांहि। 51तबइ ऊ उन्हके पासइ नाउ प आवा, अउर हवा थमि गई, अउर उइ बहुतइ अचरजु करइ लाग। 52काहे ते वे उन रोटिन के बारे म न समझे रहइ, पइ उन्ह केर मन कठोर हुइगे रहइ।

53अउर उइ पार उतरि कइ 'गन्नेसरत' म जाइ पहुंचे अउर नाउ घाट पे लगाइनि। 54अउर जबइ उइ नाउ परते उतरे तउ लोगनु तुरतइ ऊ का पहिचानि कइ। 55आस–पास के सारे देसु म दउरे अउर बीमारन क खाट प डारि कइ जहंइ तहां समाचारु पाइ कि ऊ हइ, हुआँ–हुआँ लिएइ फिरइ। 56अउर जहइं कहूं उइ गांवन नगरन या बस्तिन म जाति रहइ, तउ बीमारन क बाजारु में राखि कइ उइते विनती करति रहइ कि ऊ उनहुन क अपन कपरा के आंचरु क छुइ लेइ देइ। अउर जितनेइ ऊ का छुवति रहइ, सइ चंगेइ हुइ जाति रहइं।

परम्परा पालइ का सवाल

7तबइ फरीसी अउर कइयउ याक सास्तरी जउन यरुसलेम ते आएइ रहइ, उइके पासइ इकट्ठा हुइ गये। 2अउर उनहुन उइके कइ याक च्यालन क असुद्ध यानी बिनयु हाथ धोए रोटी खाति देखिनि। 3काहे ते फरीसी अउर सबइ यहूदी पुरानेन की रीति पइ चलति रहइ अउर जबइ तलक अच्छी तरह ते हाथन क नाई धोइ लेति तबइ तलक नाहीं खाति। 4अउर बजारु ते आइकइ, जबइ तलक नहाइ नाई लेति तबइ तलक नाई खात, अउर बहुतइ अउरउ बातइ हईं, जउनु मनई के खातिर उन्ह के पासइ पहुंचाइउ गई रहइ, जइसे कटोरन, लोटन अउर तांबे के बरतनन का धोउब अउर मांजबु।

5यहि ते उन फरीसियन अउर सास्तरिन ऊ ते पूछिनि की तोहार च्याला काहे पुरनियन की रीति पइ नाई चलति अउर बिनइ हाथन का धोए रोटी खाति हइं?

6ऊ उन्हते कहिसि कि यसायाह तुइ कपटिन के बारे म बहुतइ ठीक भबिसयवानी किहिस हइ, जइसा लिखउ हइ कि ई लोग ओंठन के तउ हमार आदरु करति हइं, पइ उन्ह का मनु मोहिते दूरि रहति हई। 7अउर उइ बेकार म हमारि उपासना करति हइं, काहे ते मनइन की आग्यन क धरम क उपदेसु कइ सिखावति हंइ।

8काहे ते तुम परमेसुर कि आग्या क टारि कइ मनइन कि रीतिन क मानति हउ।

9अउर ऊ उनते कहिसि,, तुम आपन रीतिन क मनइन के खातिर परमेसुर कि आग्या क केसुइ अच्छी तरह ते टालि देति हउं 10काहे ते मूसा कहिन हइ कि अपन बाप अउर महतारी का आदरु करउ, अउर जउन कउनउ बाप या महतारी क बुरा कहइ ऊ जरूरइ मारि डारा जाय। 11पइ तुइ कहिति इह कि अगर कउनउ अपने बाप व महतारी ते कहइ कि जउन कुछु तुमइका मोहिते लाभु पहुंचि सकति रहइ, ऊ कुरबान यानी संकलपु हुइ चुका हइ। 12तउ तुम उइका ऊके बापु व उइकी महतारी की कछु सेवा नाई करइ देति। 13ई परकार तुइ अपन रीतिनन ते, जउन तुम ठहरायेइहउ अउर अइस अइस बहुतइ कामन क करति हउ।

14अउर उइ लोगन क अपने पासइ बुलाइके उनते कहिसि तुम सबइ हमार सुनउ अउर समझउ। 15अइसि तउ कउनउ चीज नाई हइ जउन मनई म बाहर ते समाइ कइ दुस्ट करइ पइ जउनु चीजइ मनई के भीतरि ते निकसति हइ, वइ ऊ का दुस्ट करति हइं। 16अगर कउनउ के सुनइ के कान होय तउ सुनि लेई।

17जबइ ऊ भीड़ के पासइ ते घरु म गवा, तउ ऊ के च्यालन ई उदाहरन (दृस्टांत) के बारे म उइते पूछिसि। 18ऊ उन्हते कहिसि का तुम्हउ अइस नाहि समुझति हउ? का तुम नाई समुझति कि जउन चीज बाहर ते मनई के भीतर क जाति हइ, ऊ उइका दुस्ट नाई करि सकति। 19काहे ते ऊ ऊके मन म नाई हइ, पइ पेटु म जाति हइ, अउर भंडारा म निकरि जाति हइ? ई कहि कइ ऊ सबइ खाइ की चीजन सुद्धइ ठहराइसि।

20फिर ऊ कहिसि, जउन मनई म ते निकसति हइ, उहइ मनई क दुस्ट करति हइ। 21काहे ते भीतरि ते यानी मनइ क मनते, बुरिइय बुरी, चिन्ता, बेभिचारु। 22चोरी, हत्या, दुसरे क मेहरारु ते गमनु, लोभ, दुस्टता, छलु, लुच्चापनु बुरी निगाह, निन्दा, अभिभाउ अउर मूरखता निकसति हइ। 23ई सबइ बुरिय बातइ भीतरइ ते निकसति हइ, अउर मनइ क असुद्ध करति हइ।

दूसर धरम वालेन की बालिकन केर निरोग करति

24फिरि ऊ हुवां ते उठिकइ सूर अउर सैदा के देसन म आवा अउर एकु घरु मां गवा अउर चाहति रहइ कि कउनउ न जानइ, पर ऊ छिपि नाई सका। 25अउर तुरतइ याक मेहरिया जेहिकी छोटी बिटिया म असुद्ध आतमा रहइ ऊ की चरचा सुनिकइ आई अउर उइके पांवन प गिरी। 26ई यूनानी अउर सूरूफिनी की जाति की रहइ, अउर ऊ उइते बिनती किहिसि कि हमारि बिटिया म ते दुस्ट आतमउ निकारि देउ।

27ऊ उइते कहिसि, पहिले लरिकन क तृपत होइ
देउ, काहे ते लरिकन की रोटी लइ कइ कुत्तन के आगे
डारब उचित नाई हइ।
28उइ उइका उत्तरू दिहिसि कि सचइ हइ परभु तउ
कुत्तउ तउ भेज के नीचइ लरिकन की रोटी क चूर चार
खाइ लेति हइ।
29ऊ वहिते कहिसि, ई बात के कारन चलिउ
जाउ, दुस्टआतमा तोहरी बिटिया म ते निकसि गई
हइ।
30अउर ऊ अपन घरु आइके देखिसि कि बिटिया
खाट पर परी हइं अउर दुस्टआतमा निकरि गइ हइ।
बहिर अउर हकलाने वाले को स्वस्थ करिन।

बहिर अउर हकलउ केर चंगो कीन

31फिरि ऊ सूर अउर सैदा के देस ते होति भये
गलील की झील पइ पहुंचि गवा। 32अउर लोगन
याक बहिरे क जउन हकलउ रहइ उइके पासइ लाइ
कइ ऊ ते विनती किहिसि, कि अपन हाथु उइ पइ
राखई।
33तबइ ऊ उइका भीड़ ते अलगइ लइ गवा अउर
अपन उंगलिन क उइके कानन म डारिसि अउर थूकि
कइ उइकी जीभ क छुइसि। 34अउर सरग की ओर
देखि कइ आह भरिसि अउर उइते कहिसि 'इफ्फत्तह'
यानी खुलि जाइ। 35अउर उइके कान खुलि गे। अउर
उइकी जीभ की गांठउ खुलि गई अउर ऊ साफु–साफु
बोलेइ लाग।
36तबइ ऊ उइका चिताइसि उतनइ उइ अउर
परचारू करइ लाग। 37अउर उइ बहुतइ अचरजु म हुइ
कइ कहइ लाग, उइ जउन कछु कहिसि सबइ अच्छइ
कहिसि हइ, ऊ बहिर क सुनइ कि अउर गूंगन क
बोलइ कि सक्ती देती हइ।

चार हजार केर भोजनु

8ई दिनन म जबइ फिर बहुतइ भीड़ इक्ट्ठी भइ,
अउर वहिके पासइ कछु खाइक नाई रहइ, त ऊ
अपन च्यालन क नेरेइ बुलाइ कइ उन्हते कहिन।
2मोहिका ई भीड़ पइ तरसु आवति हइ, काहे ते ई
तीनि दिनन ते बराबर हमरे साथइ हइं, अउर उन्हके
पास कछुक खाइक नाई रहइ। 3अगर हम उनहका
भूखइ घरु क भेजि देइ, तउ मारग म थकि कइ रहि
जइहंइ काहे ते उन्हमा ते कउनउ–कउनउ दूरि ते आए
रहंय।
4ऊके च्यालन ऊका उत्तरु दिहिसि, कि ई जंगलु
म यतनिय रोटिन क कउनु कहां ते लावइ कि ई छकि
जांय।
5ऊ उइते पूछिसि, तोहरे पास केत्ती रोटी हुइ? उइ
कहिन सात।
6तबइ ऊ लोगन क भूमि प बइठि कउ आग्या
दिहिस अउर वह सात रोटिन क लिहिन, अउर
धनिबादु करकइ तोरिन अउर अपन–अपन च्यालन क
देति गवा कि उन्हके आगइ राखइ अउर उनहुन लोगन
के आगेइ परोसि दिहिन। 7उन्हके पास थोरिय छोटी
मछरिउ रहयं अउर ऊ धनिबादु कइकइ उइ ई लोगन
के आगे रखई कि आग्या दिहिन। 8यहिते उइ खाइके
तृपत हुइगे अउर बचे भये टुकरन के साथ ठोकरे
भरिकइ उठाइनि। 9अउर लोग चारि हजार के करीब
रहइं अउर उनका विदा किहिसि। 10अउर ऊ तुरतइ
अपन च्यालन के साथइ नावु पइ चढ़ि गइ 'दलमनूता'
देसु म चला गवा।
11फिरि फरीसी निकरि कइ उइते बादु–बिबादु करइ
लाग अउर उइका जांचइ के खातिर ऊ ते कउनउ
सरग क चीन्हु मांगिनि। 12ऊ अपन आतमा म आह
भरिकइ कहिसि ई समउ के लोगु काहे चीन्ह ढूंढ़ति
हइ। हम तोहिते सांचाइ के खातिर कहित हइ कि ई
समउ के (पीढ़ी के) लोगन कउनउ चीन्ह नाइ दिया
जइहइ। 13अउर ऊ उन्हका छोड़ि कइ फिरि नावु प
चढ़ि गवा अउर पारइ चला गवा।

फरीसीयन केर खमीर अउर हेरोदेस केर खमीर ते चौउकस रहउ

14अउर उइ रोटी लेइकै भूमि गे रहइं अउर नाउ म
उइके पास याकइ रोटी रहइ। 15अउर ऊ उन्हका
चेताइसि कि देखउ फरीसियन के खमीरु अउर
हेरोदेस के खमीर ते चउकस रहउ।
16उइ आपसेइ म विचारू कर कइ कहइ लाग कि
हमरे पास तउ रोटी नाही हइं।
17ई जानि कइ यीसु उइते कहन, तुम काहे आपसइ
म ई विचारु करि रहे हउ कि हमरे पासइ रोटी नहीं
हइं? का अबइ तलक नाई जानति अउर समुझति?
18का तोहार मनु कठोर हुइगा हइ? का आंखिन का
राखति भएउ नाइ देखति अउर कान राखति भएउ
नाईसुनति? अउर तुइका याद नाई? 19कि जबइ हम
पांच हजारु के खातिर पांच रोटिन तोरेन रहइं तउ तुम
टुकरन कि कित्ती टोकरी क भरि कइ उठायउ? उनहुन
ऊ ते कहिनि बारह टोकरिन क।
20अउर जबइ चारि हजारू के खातिर सात रोटी
रहइं तउ तुम टुकरन के कित्ते टोकरे भरिकइ उठायउ
रहउ? उइ उन्हते कहिन, सात टोकरे।

[21]ऊ उन्हते कहिनि, का तुइ अबहूं तलक नाहीं समुझति हौ?

बैतसैदा केर अन्धन केर जोति दान

[22]अउर उइ 'बैतसैदा' म आइ गये, अउर लोग एकु अंधे क उइके पासइ लइ आये अउर उइते बिनती किहिन कि उनका छुवइ। [23]ऊ (यीसु) उइ अंधे क हाथु पकरि कइ उइ गांव के बाहर लइ गवा, अउर उइकी आंखिन म थूकि कइ उइ पइ हाथन क राखिन अउर ऊ ते पूछिन का तुइ कछु देखत हइ?

[24]ऊ आंखि क उठाइ कइ कहिस हम मनइन का देखति हइं काहे ते उइ मोहिका चलतेइ भये देखाई देति हइं जइस पेड़।

[25]तबइ ऊ फिरि दुबारा उइकी आंखिन प हाथन क राखि अउर ऊ धियान ते देखिसि अउर चंगा हुइगे अउर सबइ कछु साफइ साफ देखइ लाग। [26]अउर ऊ उइते इव कहि कइ घरु भेजिसि कि ई गांव के भितरेइ पांवु न राखेउ।

पतरस यीसु को 'मसीह' सवीकारु करतु हय

[27]यीसु अउर उइके च्याला केसरिया फिलिप्पी के गांउ चले गये अउर मारग म ऊ अपन च्यालन ते पूछिसि कि लोग मोहिका का कहति हइं? [28]उनहुन उत्तरु दिहिन, कि यहुन्ना, बपतिसमा देइ वाल, पइ कउनउ—कउनउ एलिय्याह अउर कउनउ—कनउन नबिन म ते याकउ कहति हइ।

[29]ऊ उन्हते पूछिसि, पइ तुइ मोहिका का कहति हइ? परतस उइका उत्तरु दिहिस, तू मसीह हइ।

[30]तबइ ऊ उन्हका चितइ कइ कहिस कि हमार बारे म ई कउनउ ते न कहेउ।

यीसु अपन मिरितु केर भबिसवानी

[31]अउर ऊ उनहुन क सिखावइ लाग कि मनई के बेटवा के खातिर जरूरइ हइ कि ऊ बहुतइ दुख उठावइ अउर पुरनियइ, मायाजक महा पुरोहित अर सास्तरी उइ का तुच्छ समुझि कइ मारि डारइ अउर ऊ तीनि दिन के बादइ जी उठइ। [32]ऊ यीसु ई बात क उनते साफइ—साफ कहि दिहिस ई पइ पतरस उइका अलग लइ जाइ कइ झिड़कइ लाग।

[33]पइ ऊ फिरि कइ, अउर अपन च्यालन की ओर देखि कइ पतरस क झिड़कि कइ कहिसि कि हे सइतान, हमार समूहे ते दूरि होइ जाउ, काहे ते तुइ परमेसुर बातन पइ नाई, पइ मनइन की बातइ पइ मनु लगावति हइ।

[34]ऊ भीड़ क अपन च्यालन समेत पासइ बुलाइ कइ उन्हते कहिसि, जउन कउनउ हमार पाछे आवा चाहइ, ऊ अपने आप ते इनकारु करइ, अउर अपन क्रूस उठाइ कइ हमरे पाछेइ हुइ लेइ। [35]काहे ते जउन कउनउ अपन परान बचावा चाहइ उइका खोइहइ, पइ जउन कउनउ हमार अउर सुसमाचारु के खातिर अपन परान खोइहइ, ऊ उइका बचइ हइ। [36]अगर मनइ सारेइ जगत क पावइ अउर अपन परान कि हानि उठावइ तउ उइका का लाभु होइ हइ? [37]अउर मनइ अपन परान के बदले का देइ? [38]जउन कउनउ ई बिभचारी अउर पानी जाति (पीढ़ी) के बीच मोहिते अउर हमरी बातन ते लजइहइ मनई क बेटवउ जबइ ऊ पवित्तर पूतन के साथइ अपन बापु कि महिमा के सहितइ अइहइ वहितेउ ऊते लजइहइं।

9 अउर ऊ उइते कहिस, हम तुमते सांचइ कहित हइ कि जउन हियां खड़ेइ हइ, उन्हमा ते कउनउ अइस हइं कि जबइ तलक परमेसुर के राज क सामरथ सहित आवा भवा नाई देखि लेइ तबइ तलक मउत क सवादु कबहूं न चखि हइं।

अपार बदलाव

[2]छे दिनन के बादइ यीसु, परतस, याकूब अउर यहुन्ना क साथइ लिहिन अउर अकेले म कउनउ ऊंचे पहार पइ लइ गये अउर उन्हके समूहइ उइका रूपु बदलि गवा। [3]अउर उइके कपरा अइस चमकइ लाग अउर हियां तलक अइस उजर भवा कि धरती प कउनउ धोबिउ वइस उजर नाई करि सकति। [4]अउर उनका मूसा के साथइ 'एलिय्याह' दिखाई दिहिस अउर उइ यीसु के साथइ बातइ करति रहइ।

[5]ई पइ पतरस यीसु ते कहिन, हे रब्बी, हमार हियां रहबु अच्छा हइ, ई ते हम तीनि मंडप बनाई, याक तोहरे खातिर, याक मूसा के खातिर अउर याक एलिय्याह के खातिर। [6]काहे ते ऊ नाइ जानति रहइ, कि क उत्तरु देइ।, यहिते कि वह बहुतइ डरि गयेइ रहइ।

[7]तबइ याक बादरु उनहुन क छाइ लिहिस अउर उइ बादरु म ते इउ सबदु निकरा ई हमार पियार बेटवा हइ, ऊ की सुनुउ।

[8]तबइ उनहुन यकायक चारउ ओर देखिन अउर यीसु क छोड़ि कइ अपने साथइ अउर कउनउ क नाई देखिन।

[9]पहार ते उतरति भये ऊ उन्हका आग्या दिहिस कि जबइ तलक मनई क बेटवा मरेइ हुएन मते जी उठइ

तबइ तलक जउन कछु तुम देखेउहइ उइका केइ ते न कहेउ। [10]उइ ई बात क याद राखिन अउर आपस म वाद–विवादु करइ लाग की मरइ हुएनमते जी उठइ क का अरथु हइ।

[11]अउर उनहुन उइते पूछिनि सास्तरी काहे कहति हइं कि एलियाह का पहिले आउब जरूरी हइ?

[12]ऊ उनहुन क उत्तरु दिहिस कि ए 'एलिय्याह' सचमुच पहिलेइ आइके सबइ कछु सुधारिहइं पइ मनई के बेटवा क बारे म ई काहे लिखा हइ, कि ऊ बहुतइ दुखु उठइहइ अउर तुच्छ गिना जइहइं? [13]पइ हम तुमते कहित हइ कि एलिय्याह तउ आइ चुका अउर जइस उइके बारे म लिखउ हइ उइ जउन कछु चाहिन उइके साथ किहिन।

दुस्ट आतमन ते जकड़े बालक केर सुवस्थ करिन

[14]अउर जबइ ऊ च्यालन के पासइ आवा, तउ देखिसि कि उन्हके चारउ ओर बड़य भारी भीड़ लागि हइ, अउर सास्तरी उन्हके साथ विवादु करि रहे हइ। [15]अउर उइका देखतइ सबइ बहुतइ अचरज करइ लाग अउर उइकी ओर दउरि कइ उइका नमस्कारु किहिन (परनामु किहिन)।

[16]ऊ उइते पूछिसि तुइ इनते का विवादु करि रहा हइ?

[17]भीड़ मते याक उइका उतरु दिहिस कि हे गुरु, हम अपन बेटवा क जेहिमा गूंगी आतमा समाइ हइ तोहरे पासइ लायन हइ। [18]जबइ कहूं ऊ उइका पकरति हइं अउर पटकि देति हइ अउर ऊ मुंह म फेनु भरि लावति हइ अउर दांतु पीसति अउर ऊ का निकारि देइ पइ उइ न निकरि सके।

[19]ई सुनि कइ ऊ उनते उत्तरु दइ कइ कहिस कि हे विसवासु न करइ वालेन लोगउ हम कबहि तलक तोहरे साथइ रहिबइ? उहिका हमरेइ पास लावउ।

[20]तबइ वह उइका उइके पासइ लइ आएइ अउर जबइ ऊ उइका देखिस, तबइ ऊ आत्मा तुरतइ उइका मरोड़िस अउर ऊ भूमि पइ गिरि पड़ा अउर मुंहते फेनु बहावति भवा लउटइ लाग।

[21]ऊ उइके बाप ते पूछिसि, ई की ई दसा कबते हइ? [22]ऊ कहिसि बचपनेइ ते, उइ ऊ का नास करइ के खातिर कबहूं आगि पइ गिराइसि अउर कबहूं पानी म गिराइसि। पइ अगर तुइ कछु कर सकइ, तउ हम पइ तरसु खाइ कइ हमार उपकारु करउ।

[23]यीसु उइते कहिन, अगर तुइ करि सकति हइ, ई का बात हइ? विसवासु करइ वाले के खातिर सबइ कछु हुइ सकति हइ।

[24]लरिका क बाप तुरतइ गिड़गिड़ाइ कइ कहिसि, हे परभु हम विसवासु करति हइ, हमारि अविसवासु क उपाइ करउ।

[25]जबइ यीसु देखिन कि लोग दौरि कइ भीड़ लगाइ रहे हइं तउ ऊ असुद्ध आतमा क ई कहिकइ डांटिसि कि हे गूंगी अउर बहिरी आत्मा हम तुइका आग्या देइति ह, उइ मां ते निकसि आउ, अउर उइमा फिरि कबहूं परवेस न किएउ।

[26]तबइ उइ चिल्लाइ कइ अउर उइका बहुतइ मरोरि कइ निकसि आई अउर लरिका मरइ भवा सा हुइगा, हियां तलक कि बहुतइ लोगु कहइ लाग कि ऊ मरि गवा हइ। [27]पइ यीसु उइका हाथु पकरि कइ ऊका उठाइनि अउर ऊ खड़ा हुइगा।

[28]जबइ उइ घरइ आवा, तबइ ऊ के च्यालन अकेले म उइते पूछिन, हम उइका काहे न निकारि सकेन?

[29]ऊ उन्हते कहिस कि ई जाति बिनइ पराथना कउनउ दूसर उपाय ते निकरि नाई सकति।

[30]फिरि उइ उहां ते चले अउर गलील ते हुइके जाइ रहेइ रहइ अउर ऊ नाइ चाहति रहइ कि कउनउ जानइ। [31]काहे ते ऊ अपन च्यालन क उपदेसु देति अउर उन्हते कहिस कि मनई क बेटवा मनइन क हाथु म पकरावा जाई अउर वह ऊइका मारि डरिहइं अउर ऊ मरइ ते तीनइ दिनु बाद जी उठि हइं। [32]पइ ई बात उन्हके समझ म नाई आई अउर वह ऊ ते पूछइ ते डरति रहइं।

बड़उ कउन हइ

[33]फिरि उइ कफरनहूम म आए अउर घरु मा आइ कइ ऊ उन्हते पूछिसि कि राह म तुम कउनी बात पइ विवादु करति रहउ। [34]वह चुप रहेइ, काहे ते राह म उइ आपसइ म उइ वाद विवादु करति रहइं कि हममा ते बड़उ कउन हइ।

[35]तबइ ऊ बइठि कइ बारहुवन क बुलाइसि अउर उनते कहिस अगर कउनउ बड़उ होइ क चाहइ तउ सबइ ते छोटु अउर सबइ क सेवकु बनइ।

[36]अउर ऊ याक लरिका क लइकइ उन्ह के बीच म खड़ा किहिस अउर उइका गोद मं लइकइ ऊ ते कहिस। [37]जउन कउनउ याक क अपनाइ हइ, ऊ मोहिका अपनाइ हइं, अउर जउनु कउनउ हमार नाउ ते एइसइ लरिकन मते कउनउ मोहिका अपनावति, ऊ मोहिका नाई, बल्कि हमरेइ भेजे वाले क अपनावति हइ।

जउन विरोधु म नाहिन उ हमार साथ

38तबइ यहुन्ना ऊ ते कहिस, हे गुरु हम याक मनई
क तेरेइ नाउ ते दुस्ट आतमनन क निकासति देखेन
अउरु हम उइका मनई करइ लागेन, काहे ते ऊ हमार
पाछे नाई हुइ लेत रहइ।
39यीसु कहिन ऊ का मतइ मना करौ काहे ते
अइस कउनउ नाहीं जउन हमार नाउ ते सामरथ का
कामु करइ अउर जल्दी म मोहिका बुरइ कहि सकइ।
40काहे ते जउनु हमार विरोधु म नाई हमरे ओरइ हइ।
41जउन कउनउ याक कटोरा पानी तुइ ई खातिर
पियावइ कि तुइ मसीह क हउ हम तुइ ते सांचइ
कहित हइं कि ऊ अपन उइका लाभु कउनउ रीति ते
न खोई।

दुसरे केर फंसावइ वाले केर खातिर चेतावनी

42पइ जउन कउनउ इन्ह छोटन मते जउनु मोहि पइ
विसवासु करति हइं केहुक ठोकरु खिलावइ तउ ऊके
खातिर भलेउ इहइ हइं कि याक बड़िय चक्की क
पाटु ऊ के गलेइ म लटकावा जाई अउर ऊ समुन्दर
म डारि दीन जाई। 43अगर तोहार हाथु तुइका ठोकरु
देइ तउ ऊका काटि डारु टुंडा हुइकइ जीवनु म परवेसु
करब, तोहरे खातिर ई ते भलइ हइं कि तुइ हाथ रहति
भयेउ नरक के बीचइ उइ आगि भंडारा जाई जउन
कबहूं बुझइ वाला नाई। 44अउर अगर तोहार पांव
तुइका ठोकरु देइ तउ उइका काटि डारउ। 45लंगड़ा
हुइ कइ जीवनु म परवेस करब, तोहरे खातिर ई भलइ
हइं कि दुइ पांव राखति भये नरक में डारा जाय।
46अउर मुला तोहरी आंखि तुइका ठोकरु खवावइ
तउ उइ का निकारि डारउ। कनवां हुइकइ परमेसुर क
राज म परवेस करब, तोहरे खातिर ई ते भलइ हइ
कि। 47दूनउं आंखिन के रहति भए तुइ नरक मं डारा
जाई। 48जहइं उन्हका किरवउ नाई मरति अउर आगिउ
नाई बुझति। 49काहते ते हर याक जन आगइ ते
नमकीन किया जइहइं।
50नमकु नीकइ हइ, पइ अगर नमकु की नमकीनी
जाति रहइ तउ उइमा केहिते सुवादु लइहउ? अपने म
नमकु राखउ अउर आपसउ म मेलि–मिलापु ते
रहउ।

तलाक

10फिरि ऊ हुवां ते उठिकइ यहूदिया के सिवानन
म अउर यरदन के पारइ आवा, अउर भीड़
उइके पासइ फिरि इकट्ठा हुई गइ अउर ऊ अपन रीति
के अनुसारइ उन्हका फिरि उपदेसु देइ लाग।
2तबइ फरीसियन उइके पासइ आइकइ ऊ का
इम्तिहानु लेइ के खातिर उइते पूछिन, का इव उचित
हइ, कि मनई अपन मेहरारु क छोड़इ?
3ऊ उन्हका उत्तर दिहिस कि मूसा तुमहू का
आग्या दिहिन हई?
4उनहुन कहिन मूसा तियागु पत्तरु दिइ कि अउर
तियाग कि आग्या दिहिन हइ।
5यीसु उन्हते कहिन कि तोहार मनई कि कठोरता
के कारन ऊ तोहरे खातिर ई आग्या लिखिस। 6पइ
सिरिस्टी के सुरुआति ते परमेसुर नारी अउर नर बनाइ
कइ उनहका बनाइन हइं। 7ई कारन मनई अपन
महतारी बापू ते अलग हुइ कइ अपन मेहरारु के
साथइ रहिहइ अउर उइ दूनउ एकइ तनु हइ। 8ई
खातिर अब दुइ नाई पइ एकइ तनु हइ। 9ई खातिर
जेहिका परमेसुर जोरिस हइ उइका मनई अलगु न
करइ।
10अउर घरउ म च्यालन ई बारे म उइते फिरि
ऊ पूछिनि। 11उइ उनहते कहिस, जउन कउनउ
अपन मेहरारु क तियागु करि कइ दुसरे ते बियाहु
करइ तउ ऊ पहिली के विरोधु म विभचारु करति
हइ। 12अउर अगर मेहरारू अपन मनई क छांड़ि
कइ दुसरे ते बियाहु करइ, तउ ऊ विभचारु करति
हइ।

लरिकन केर आसिरवादु

13फिरि लोग लरिकन क ऊ के पाइस लावइ
लाग, कि ऊ उन्ह पइ हाथु राखइ, पइ च्यालन
उन्हका डाटिन। 14यीसु ई देखि कइ किरोधु करिकइ
उनहते कहिन, लरिकन क हमरे पासइ आवइ देउ
अउर उन्हका मना न करउ, काहे ते परमेसुर क राज
अइसनइ क हइ। 15हम तोहिते सांचइ कहति हइ कि
जउन कउनउ परमेसुर क राज क लरिका कि नाई,
अपनावति हइ, ऊ कबहूं उइ मा परवेसु नाइ पाइ
सकिहइं, नाई घुसि पइहंइ। 16अउर ऊ उनहका गोद
मं लिहिस अउर उन्ह पइ हाथु राखि कइ उनहका
आसीरबादु दिहिस।

धनवान मनई

17अउर जबइ ऊ निकसि कइ मारग म जाति रहइ
तबइ याक मनई उइके पासइ दउरति भवा आवा अउर
उइके आगेइ घुटनन क टेकि कइ ऊ से पूछिसि, हे
महान गुरू, अनन्त जीवनु क अधिकारी होइके हम का
करी?
18यीसु उइतें कहिन तुइ मोहिका महान काहे कहित

हइ? कउनउ महान नाई, केवलु याक यानी परमेसुर महान हइ। 19तुइ आग्या क तउ जानति हउ, हतिया न करेउ, विभचारु न करेउ, अपन बाप व महतारी क आदरु कियेउ।

20ऊ उनहते कहिस, हे गुरू इन्ह सबइ क हम लड़कपनइ ते मानति आयेन हइ।

21यीसु उइ पइ निगाह करिकइ वहिते परेमु किहिसि अउर उइते कहिसि तोहिमा याक बात कि कमी हइ, जाउ जउनउ कछु तोहार हइ, उइका बेचिकइ कंगालन क देउ, अउर तोहिका सरग म धनु मिलिहइं, अउर आइ कइ हमरे पाछे हुइ लेउ।

22ई बात ते उइके चेहरे पइ उदासी छाइ गयी अउर ऊ सोकु करति भवा चलउ गवा, काहे ते ऊ बहुतइ धनवान रहइ।

23यीसु चारिउ ओर देखिकइ अपन च्यालन ते कहिन, धनवानन क परमेसुर क राज म परवेसु करबु कइस कठिन इ।

24च्याला उइकी बात ते चकित भये यई पइ यीसु फिरि उन्ह का उत्तरू दिहिन, हे लरिकउ,जउन धन पइ भरोसा करति हइ उन्ह के खातिर परमेसुर के राज म परवेस करब कठिन हइ। 25परमेसुर क राज म धनवान के परवेस करइ ते ऊंट के सुई के नोक मते निकसि जाब सहजइ हइ।

26वह बहुतइ चकित हुइ कइ आपसइ म कहइ लाग तउ फिरि केहिका उधारु होइ सकति हइ।

27यीसु उनहिन कि ओर देखिकइ मनइन ते तउ ई नाई हुइ सकति पइ परमेसुर ते हुइ सकति हइ काहे ते परमेसुर ते सबइ कछु हुइ सकति हइ।

28पतरस उइते कहइ लाग कि देखउ हम तउ सबइ कछु छाड़ि कइ तोहरे पाछे हुइ लियेन हइ।

29यीसु कहिन कि हम तुइते सांचइ कहित हइ कि अइस कउनउ नाई हइ जउन हमरे सुसमाचर के खातिर घरु या भइयन क या बहिनिन क या महतारी या बापु लरिकन या खेतन क छांड़ि दिहिस होई। 30अउर अबउ ई समउ सउ गुना न पावइ, घरन अउर भाई बहिनिन क, महतारी—बापन क अउर लरिका वालेन अउर खेतन क, पइ अत्याचारु उपदरउ के साथइ अउर परलोक म अपार जीवनु। 31पइ बहुतेरेइ जन पहिलेइ हइ पाछिन हुइ हइं, अउर जउन पाछिन हइ वह पहिल हुइ हइं।

अपन मिरतू केर सम्बन्ध म यीसु केर भबिसवानी

32अउर उइ यरुसलेम क जातइ भये राह म रहइ अउर यीसु उन्ह के आगेइ—आगेइ जाइ रहा रहइ, अउर वह अचरज करइ लाग, तबइ ऊ फिरि उन बारहन लइकइ उनते ई बातन क कहइ लाग, जउन उइ पइ आवइ वालिइय रहइ। 33कि देखउ हम यरुसलेम क जाइति हइ अउर मनई के बेटवा, महायाजकन अउर सास्त्रियन के हाथइ पकरावा जइहइं अउर वह ऊ का घातइ के योग ठहराइ हइं अउर दूसर धरम क मानइ वालेन के हाथन म सउंपि देहइं। 34अउर वह उइका ठट्ठन म उड़इ हइं अउर उइ पइ थुकिहइं अउर उइका कोड़न ते मरिहइं अउर उइ पइ घातु करिहइं, अउर तीन दिनन बादउ ऊ जी उठिहइं।

यहुन्ना अउर याकूब केर निवेदन

35तबइ जबदी क बेटवा याकूब अउर यहुन्ना उइके पासइ आइ कइ कहिसि, हे गुरु हम चाहित हइ कि जउन कछु हम तोहिमा मांगति हइ उहइ तुइ हमरेइ खातिर करउ।

36ऊ उनते कहिस तुइ का चाहति हइ कि जउन हम तोहरे खातिर करी।

37ऊ उन्हते कहिसि कि हमका ई देउ कि तोहरि महिमा म हम मा ते याक तोहरे दाहिने अउर दूसर तोहरे बाएइं बइठइ।

38यीसु उन्हते कहिनि, तुम नाही जानति हउ कि का मांगति हइ? जउन कटोरा हम पियइ क हन, क पी सकति है? अउर जउन बपतिसमा हम लेइ प हइन, का लइ सकति हउ?

39उइ ऊ ते कहिन हमते हुइ सकति हइ। यीसु उन्हते कहिन, जउन कटोरा हम पियइ पे हन तुम पीइउ अउर जउन बपतिसमा हम लेहउ। 40पइ जिन्हके खातिर तयार किय गवा हइ, उन्हका छोड़ि के अउर कउनउ क अपने दहिने अउर अपन बायें बिठाइस हमार कामु नाई हइ।

41ई सुनिकइ दसउ, याकूब अउर यहुन्ना पइ, रिसियाइ लाग। 42अउर यीसु उन्हका पासइ बुलाइ कइ उन्हते कहिन तुम जानति हउ कि जउन दुसरे धरमन के हाकिम समझे जाति हइं, इ उन्ह पइ परभुता करति हइं अउर उन्हमा ते जउन बड़ेइ हइं, उन्ह पइ अधिकारउ जतावति हइं। 43पइ तुम्हमा अइस नाई हइ बल्कि जउनु कउनउ तुम्हते बड़उ होउब चाहइ ऊ तोहार सेवकु बनइ। 44अउर जउनउ कउनउ तुम्ह मा परधानु होइक चाहइ ऊ सबन का दासु बनइ। 45काहे ते मनई के बेटवा ई खातिर नाई आवा कि ऊ की सेवा टहलु करइ अउर बहुतन कि छुड़उती के खातिर अपन परान देई।

अन्धे बरतिमाइ को निगाह दान

46अउर वइ यरीहो म आइ गये अउर जबइ ऊ
अउर उइके च्याला, अउर याक भारी भीड़ यरीहो ते
निकसति रहइ तउ तिमाइ क बेटवा बरतिमाई याक
अंधरा भिखारी सड़क के किनारे बइठ रहइ। 47ऊ ई
सुनिकइ कि यीसु नासरी हइ, पुकारि पुकरि कइ कहइ
लाग, कि दाउद कि सनतान यीसु मोहि पइ किरपा
करइ।

48बहुतइ उइका डाटिनि कि चुपइ रहउ, पर ऊ
अउरउ पुकारइ लाग कि हे दाऊद कि सन्तान मोहि
पइ किरपा करउ।

49तबइ यीसु ठहरि कइ कहिसि उइका बुलाउ
अउर लोगन उइ आंधर क बुलाइ कइ ऊ ते कहिसि
ढाढ़स बांधउ, हठउ ऊ तुइका बुलावति हइ। 50ऊ
अपन कपरा फेंकि कइ जलदी ते उठा अउर यीसु के
नेरे आइ गवा।

51ई पइ यीसु उइते कहिसि, तुइ का चाहति हइ कि
हम तोहरे खातिर कछु करी? अंधरा ऊ ते कहिस हे
रब्बी, ई कि हम देखइ लागी।

52यीसु उइते कहिन, चलई जाउ,, तोर विसवासु
तोहिका चंगा करि दिहिस हइ, अउर ऊ तुरतइ देखइ
लाग अउर मारग (डगर) म ऊ के पाछेइ हुइ लिहिस।

यरुसलेम म मसीह केर परवेस

11 जबइ उइ यरुसलेम के पासइ जैतून पहार
पइ बैतफगे़ अउर बैतनिय्याह के पासइ आइ
गए तबइ ऊ अपन च्यालन मते दुइ क ई कहिकइ
भेजिसि।2ऊ अपन समूहे के गांउ म जाउ अउर उइमा
पहुंचतइ याक गदही क बच्चा, जेहिकइ कबहूं कउनउ
नाई चढ़ा हइ (सवारी नाई किहिसि हइ), बंधा भवा
तोहिका मिलिहइ, उइका खोलि लाउ। 3अगर तोहिते
कउनउ पूंछइ ई का करति हउ? तउ कहेउ, परभु क
ई ते प्रयोजन हइ अउर ऊ जल्दीइय उइका हियइं
लउटाइ देहइं।

4उनहुन जाइ कइ ऊ बच्चा क बहिरेइ दुआर के
पासइ चउक मं बंधा भवा पाइसि अउर खोलइ लाग।
5अउर उन्हमा ते जउन हुवां खड़ा रहइ कउनउ कहइ
लाग कि ई का करति हउ गदही के बच्चा क काहे
खोलति हउ। 6उइ जइस यीसु कहिन रहइ वइसइ
उनते कहि दिहिस तबइ उइ उन्हके जाय दिहिंस।
7अउर उनहुन बच्चे क यीसु के पासइ लाइकइ ऊ पइ
बइठ गवा। 8अउर बहुतेरेन खेतन म ते डारिन क
काटि–काटि कइ फइलाइ दिहिन। 9अउर जउन कउनउ
उइके आगेइ आगे जाति अउर पाछे पाछे चलेइ
आवति रहइं, पुकाकर–पुकारि कइ कहति जाति रहइं
कि होसाना धन्य हइ ऊ जउन परभु कइ नाम ते
आवति हइ।

10हमार बाप दाऊद क राज जउन आइ रहा हइ,
धन्य ई हइ आकासु म होसाना ऊंचिव ते ऊंचिव
जगहन म होसना।

11अर ऊ यरुसलेम पहंचि कइ मन्दिरु म आवा
अउर चरिउ तरफ कि सबइ चीजन क देखि कइ
बारहुन के साथइ वैतनियाह गवा, काहे ते सांझ हुइ
गवा रहइ।

यीसु मंदिर केर साफ करिन

12दुसरेइ दिन जबइ उइ बैतनियाह ते निकसे तउ
ऊ का भूख लागि। 13अउर उइ दूरइ ते अंजीरु क
याक हरियर पेड़ देखि कइ नेरे गवा कि का मालूम
उइमा कछु पाइ जाइ, पइ पत्तन क छोड़ि कइ कछु
न पाइसि काहे ते फलन क समयु नाई रहइ। 14ई पइ
ऊ उन्हते कहिनि अबते तोहार फलु कउनउ कबहूं न
खाय अउर उइके च्याला ई सुनि रहे रहइं।

15फिरि उइ यरुसलेम आइ गये, अउर ऊ मंदिर म
गवा अउर उहां जउन लेन–देन करि रहेइ रहइं
उनकहा बाहर निकारइ लाग अउर सरुफिनी के पीढ़न
क अउर कबूतरन क बेचइ वालेन कि चउकिन क
उलट दिहिन। 16अउर मंदिर म ते हुइ कइ कउनउ
बरतन लइकइ नाई जाइ दिहिसं 17अउर उपदेसु कइ
कह उनहुन ते कहिस क इंउ नाई लिखा हइ कि हमार
घरु सबइ जानित के खातिर परारथना क घरु
कहलइहइ? परइ तुम्ह तउ ई का डाकुन की खोह
बनाई दिये हउ।

18ई सुनिकइ महायाजक (महापुरोहित) अउर सास्तरी
ऊ के नास करइ क अवसरु ढूंढ़इ लाग, काहे ते ऊ
ते डरति रहइ ई ते कि सबइ लोग ऊ के उपदेसु ते
चकित होत रहइ।

सूखा भवा अंजीर केर बिरवा

19अउर हर एकु दिन सांझ होतइ ऊ नगर ते बाहर
जावा करत रहइ।

20फिरि भोर क जबइ वह उधर ते जाति रहइं तउ
उनहुन उइ अंजीर के पेड़ क जड़ तलक सूखा भवा
देखिन। 21पतरस क ऊ बात याद आई गई अउर ऊ
उइते कहिस हे रब्बी देखउ ई अंजीर क पेड़ जेहिका
तुम सराप हिसि रहइ सूखि गवा हइ।

22यीसु उइका जबाबु दिहिनि कि परमेसुर पर
विसवासु राखेउ।

23हम तोहिते सांचइ कहित हइ कि जउन कउनउ
ई पहारु ते कहइ, कि तुइ उखारि जाउ, अउर समुन्दर
म जाइ परउ, अउर अपन मन म संदेह न करउ बल्कि
बिसवासु राखउ कि जउन कहित हइं ऊ हुइ जइहइं
तउ ऊ के खातिर वइह होई। 24इ खातिर हम तुमते
कहित हइं कि जउन कहुं तुम परारथना कइकइ मांगउ
तउ बिसवासु करि केउ कि तोहिका मिलि गवा अउर
तोहरे खातिर हुइ गवा। 25अउर जबइ कबहूं तुइ खड़े
भए परारथना करति हउ तउ अगर तोहरे मन मां कोहू
की ओर ते कछु विरोध हइ, तउ माफु करउ यहिते
कि तोहार सरग का बापउ तोहरे अपराध का मांफ
करिहइं। 26अउर अगर तुहिउ छिमा न करउ तउ तोहार
बापउ जउन सरग म हइ तोहार अपराध छिमा न करि
हइं।

यीसु केर अधिकारु पइ संका

27वह फिरि यरुसलेम म आइगे अउर जबइ ऊ
मंदिर म टहलति रहइ तउ महायाजक अउर सास्तरी
अउर पुरनियन ऊ के नेरे आइ कइ पूछइ लाग। 28कि
तुइ ई काम क कउने अधिकारु ते करति हइं? अउर
ई अधिकारु क तोहिका कउन दिहिस हइ कि तुइ ई
कामु क करइ?

29यीसु उइते कहिसि हमहू तुइते याक बात पूंछित
हइ, मोहिका जबाबु देउ: तउ हम तोहिका बताइब कि
ई काम क कउने अधिकारु ते करित हइ। 30यहुन्ना
क बपतिसमा का सरग कि ओरइ ते रहइ या मनइन
के ओरइ ते रहइ? मोहिका जबाबु देउ।

31तबइ तौ आपस मइ विवादु करइ लाग कि अगर
हम कहीं, सरग की ओर ते तउ ऊ कहिहइ फिरि तुइ
उइ का विसवासु काहे नाई किहिस। 32अउर अगर
हम कहीं मनई कि ओरइ ते तउ लोगन क डरु हइ,
काते ते सबइ जानति हइ कि यहुन्ना सचमुचइ नवी
हइ।

33यहिते उनहुन यीसु क जबाबु दिहिन कि हम
नाई जानति: यीसु उन्हते कहिस, हमहूं तुम्हका नाई
बताइति कि ई कामु क कउनु अधिकारु ते करित हइ।

अंगूर केर बगीचे केर उदाहरनु

12 फिर उदाहरनु दइ बातइ करइ लाग कि
कउनउ मनई दाखु की बारी लगाइसि अउर
ऊ के चारहु ओर बाड़ा बांधिसि रसु का कुंडु खोदिस
अउर गुम्मटु बनाइसि, अउर किसानन क ठेका दइ
कइ परदेसु चला गवा। 2फिरि फलन क मौसमु म
किसानन के पासइ याकु दासु क भेजिस कि ऊ
किसानन ते दाखु की बारी के फल का भागु लेई।
3पइ उइ ऊ का पकरि कइ पीटेनि अउर छुछेइ हाथ
लौटाइ दिहिन। 4फिरि ऊ याक अउर दासु क उन्हके
पासइ भेजिसि अउर उनहुन उइका सिर फोरि डारिन
अउर उइका अपमानु किहिन। 5फिर ऊ याक अउरउ
क भेजिस अउर उइ ऊ का मारि डारिन। तबइ ऊ
बहुतन क भेजिस। उन्ह मते उइ कितनेउ क पीटिन
अउर कितनन क मारि डारिनि।

6अब एकु रहि गवा रहइ, जउनु ऊ का पियारु
बेटवा रहइ, अन्त म ऊ वहिउ क उन्ह के पासइ ई
सोचि कइ भेजिसि कि उइ हमरे बेटवा आदरु कर
हइं।

7पइ उइ किसानउ किहिनि इहइ तउ वारिस हइ
अउर हम वहुक मारि डारी। तबइ मीरास हमार हुइ
जाइ। 8अउर ऊ का पकरि कइ मारि डारिन अउर
दाखु की बारी के बहिरै फेंकि दिहिस।

9यहिते कि दाखु की बारि क स्वामी का करि
हइं? ऊ आइ के उइ किसान क नासि करि हइ
अउर दाख की बारि अउरन के दइ देहइ? 10का
तइ पवितर सास्तरन कइ बचनु नाई पढ़िसि कि
जउन पाथरन क राज मिस्त्रियन निकम्मा ठहराइन
रहइ, उइके कोने क सिरइ छोड़ गवा। 11ऊ परभु
कि ओरइ ते भवा, अउर हमरी दिरिस्टी म उ
अदभुत हइ।

12तबइ उइ ऊ का पकरवावा चाहिन, काहे ते उइ
समझि गएइ रहइ कि ऊ हमरेह विरोधु म ई उदाहरनु
दिहिसि हइ, (दिरिस्टान्त कहिस हइ) पइ वइ लोगन
ते डरेइ अउर ऊ का छोरि के चले गए।

कैसर केर करवु

13तवइ उइ ऊ का बातन मं फंसावइ कि खातिर
कयउ याक फरीसियन अउर हिरोदियन क ऊ के पास
भेजिन। 14अउर उनहुन आइ क अति कहिन हे गुरु
हम जानति हइ कि तुइ सच्चाई हइ अउर कउनउ कि
परवाहु नाई करति काहे ते तू मनइन क मुंह देखि कइ
बातइ नाई करति! पइ परमेसुर का मारग ईमानदारी ते
बतावति हइ। 15तउ का कैसर क करवु उचित हइ कि
नाईं हम देईं? ऊ उन्हका कपटु जानि कइ ऊ ते
कहिस मोहिका काहे परखति हउ? याक दीनार हमरे
पासइ लाउ कि हम देखी। 16उइ लइ आए अउर ऊ
उन्हते कहिस ई मूरति अउर ई नाम केहिक हइ?
उनहुन कहिन कैसर का।

17यीसु उन्हते कहिन जउन कैसर कहउ ऊ
कैसर के अउर जउनु परमेसुर कहइ, परमेसुर क

देउ। तबइ उइ पइ ऊ पर बहुतइ अचरजु करइ लाग।

पुनरुत्थान अउर बियाहु केर सम्बन्ध म परसन

[18]फिरि सदुकियन ऊ जउनि कहति हइ कि मरेइ हुअन क जी उठबु हइ अइ नाई। ऊ क पासइ आपके ऊ ते पूछिनि। [19]कि हे गुरू मूसा हमरेइ खातिर लिहिन हइ कि अगर कउनउ क भाइ विनइ सन्तान के मरि जाइ अउर ऊ के मेहरारू रहि जाइ तउ ऊ का माई ऊ की मेहरारू क बियाहि लेइ अउर अपन भाई के खातिर बसु चलावइ। उतू सात भाई रहइ। [20]पहिल भाई बियाहु करि कइ विनइ सन्तानु मरि गवा। [21]तबइ दूसरि मांइ ऊ मेहरारु क बियाहि लिहिसि अउर विनइ सन्तानु मरि गवा अउर वइसेइ तीसरउ। [22]अउर सातवें सनतान नाई भइ, सातवें पाछे ऊ मेहरारिउ मरि गइ। [23]यहिते जी उठइ पइ ऊ उन्हमां ते केहि की मेहरारू हुइहइं? काहेते ऊ सातउ की (पतनी) मेहरिया हइ चुकी रहइ।

[24]यीसु उनते कहिन का तुइ ई कारन ते भूल म नाई परे हउ कितइ न तउ पवितर सासतर क जानति हउ अउर परमेसुर कि सामरथ क। [25]काहे ते जबइ उइ मरे हुअन मेते जी उठि हुइं, तउ उन्ह मां बियाहु सादी नाई होई पइ सरग के दूतन कि नाई हउ हइं। [26]मरेउ हुअन के जी उठइ के बारे म का तुइ मूसा कि किताबु म झाड़ी की कथा म नाई पढ़िसि, कि परमेसुर ऊ ते कहिस हम अबराम क परमेसुर अउर इसहाक क परमेसुर अउर याकूब क परमेसुर हन? [27]परमेसुर मरे हुअन क नाई बलिक जियत रहइ वालेन क परमेसुर हइ, तउन उइ बड़िय भूल म परे हउ।

सबते महानु आग्या

[28]अउर सासतरन म ते याक आइ कइ उन्हका विवादु करति सुनिसि अउर ई जानि कइ कि ऊ उन्हका अच्छिय रीति ते जबाबु दिहिसि उइते पूछि सबते परधान आग्या कउनु कइ?

[29]यीसु उइका जवाबु दिहिसि सबइ अग्यन म ते परधान ई हइ, हे इसराएल सुनउ, परभु हमार परमेसुर एक इ परभु हइ। [30]अउर तुइ परभु, अपन परमेसुर ते अपन सारे मनइन ते अउर अन सारिय सक्ती ते परेमु राखउ। [31]अउर दूसरि ई हइ, कि तुइ अपन परोसी ते अपनेइ परेम राखउ, ई ते बढ़िकइ कउनउ आग्या नाई हइ।

[32]सास्तरी उइते कहिसि, हे गुरू बहुतइ ठीक। तुइ सचइ कहिसि कि ऊ एकइ हइ अउर ऊका छांड़ि अउर कउनउ नाई। [33]अउर उइते सारेइ मन अउन सारिय बुद्धि अउर सारेइ परान अउर सारिय सक्ती के साथइ परेम राखउ, अउर पड़ोसियउ ते अपनेइ समान परेम राखेउ, ई सारेइ होमन अउर बलिदान ते बढ़ि कइ हइ।

[34]जब यीसु देखिन कि ऊ समझइ के जवाबु दिहिन हइ उइ ऊ के कहिन, तुइ परमेसुर राज ते दूरि नाई हइ, अउर कउनउ क फिरि ऊते कछुइ पुछइक साहसु न भवा।

राजा दाऊद केर बंसज मसीह

[35]फिर यीसु मंदिर म उपदेसु करति भये ई कहिन कि सास्तरी काहे कहित हइ, कि मसीह दाऊद क बेटवा हइ। [36]दाऊद खुदइ पवित्तर आतमा म हुइ कइ कहिस हइ कि परभु हमार परभु ते कहन, हमरे दहिनेइ बइठ जबइ तलक कि हम तोहार बैनि क तोहरे पावन की पीढ़ी न करि देइ। [37]दाऊद तउ खुदई अपनेइ उहिका परभु कहित हइ, फिरि ऊ उइके बेटवा कहां ते ठहरति हइं? अउर भीड़ के लोगउ ऊ की आनन्द ते सुनति रहइ।

[38]ऊ अपन उपदेसु य उइते कहिस सास्तरीयनते चउकस रहउ, जउन लखेइ कपड़ा पहिने भये फिरति हइं। [39]अउर बाजारन म परनामु, अउर पूजाघरन म परधान–परधान आसन अउर जेउनारन म परधान अस्थानउ चाहति हंइ। [40]वह विधवा मेहरियन कइ घरन क खाइ जाति हइ अउर देखावइ के खतिर बड़िय देर तलक परारथना करति रहति हइ, ई अधिकइ दंडु पइ हइं।

गरीब विधवा केर दान

[41]अउर ऊ मंदिर के भंडारे के समूहे वइसि कइ देखति रहइ कि लोग मंदिर के भंडारे म कउनी परकार ते पइसन के डारति हइ अउर धनवानन बहुतइ कछु डारिन। [42]इतनेइ म एकु कंगाल विधवा आइ कइ दुइ दमड़िया जउनु याक अधेले के बराबर होति रहइ, डारिस।

[43]तबइ उइ अपन चेलन के नेरे बुलाइ कइ ऊते कहिसि, हम तोहिते सचइ कहिति हइ कि मंदिर के भंडारे म डारेइ वालेन मा तेई कंगालन विधवा सबते बढ़ि कइ डारिसि हइ। [44]काहे ते सबइ धन की बढ़ती मेते डारिन हइं पइई अपनी घटी म ते जउनु कछु उइका रहइ यानी अपन सारिय जीविका डारि दिहिस हइ।

मंदिर कइ बिनासु केर भबिसवानी

13 जबइ ऊ यीसु मंदिर ते निकसि रहा रहइ तउ उके च्यालन म ते याक उइते कहिसि
हे गुरु देखउ, कइस कइस पाथर अउर कइस कइस भवन हइ।
[2]यीसु उइते कहिन का तुइ ई बड़ेइ बड़े भवन देखउते हउ, इहां पाथर प पाथरउ बचइ नाई रहिहइ जउन ढावा नाई जाई।
[3]जबइ ऊ जैतून के पहार पइ कन्दिर के समूहे बइठ रहइ, तउ पतरस अउर याकूब अउर यहुन्ना अउर अन्द्रियास अलगइ जाइ कइ ऊते पूछिसि। [4]कि हमका बताउ कि ई बातइ कब हुइ हंइ? अउर जबइ ई बात पूरी होई?
[5]यीसु ऊ ते कहइ लाग, चउकस रहउ कि कउनउ तोहिका न भरमावइ। [6]बहुतेइ मोरइ नाउ ते आकइ कहि हइं कि भइ वहइं हंउ अउर बहुत्व क भरमार हइं। [7]अउर जबइ तुम लड़ाइन अउर लड़ाइनि की चरचा सुनउ तउ न घबराएउ काहे ते इनका होउब जरूरी हइ पइ उइ समर अन्त न होई। [8]काहे ते जाति पर जाति अउर जार पइ राज चढ़ाई करि हइ अउर हर कहूं भुइडोल हुइ हइं अउर मकान गिरि हइं, ई बीड़न क आरम्भु होई।
[9]पइ उइ अपन बोरेम उकस रहउ, काहेते लोग तोहिका महासभा उन म सौपि हंइ अउर तुइ पंचाइतनम पीटे जइहउ, अउर हमारे खातिर हाकिमन अउर राजन के आगे खदेड़ किए जइहउ जेहिते उनके खातिर गवाही देउ। [10]पइ उइ जरुरइ हइ कि पहिलेइ सुसमाचार केर सबइ जातिन म परचारु किएइ जाइ। [11]जबइ उइ लइ जाइके तोहिका सौंपि हइ, तउ पहिलेइ ते चिनत न करेउ, कि हमका कबि पइ जउन कछु तोहिका उइ घरी बतावा जााय, वहइ करेउ काहे ते, बोलइ वालेइ तु नाई हइ, लेकिन पवित्तर आतमा हइ।
[12]अउर भाई क भाई अउर बाप क बेटवा घात करइ के खातिर सौपि ह अउर बेटवा वाले महतारी बाप विसेस म उठिकइ उन्हका मरवाई डारि हइं। [13]अउर हमार नाउ के कारन सबइ लोग तुमते वैरु करिहइ पर जउन मनई अन्त तलक धीरजु धरि रहिहइं बल्कि उद्धारु होई।
[14]जबइ तुइ ऊ जरइ वाली, घिरना करइ वाली चीज का जहां उचित नाई हुवां खड़ी देखउ पढ़इवाला समुझि लेई तबइ जउन यहूदिया न होय वह पहारु प भागि जाय। [15]जउन उइ अपनेहु घरु ते कछु छत कोठे प होय अपन घर म परवेस लेइ केर खातिर नीचे क न उतरेइ अउर न भीतरह जाई [16]जउन खेत में होय उइ अपन कपरन क लेइ के खातिर पाछेन कौ। [17]उन दिनन म जउन गरभवती अउर दूध पिलावइ वाली होइ हइं, उन्हके खातिर हाय, (दुखइ दुख होइ हइं) [18]अउर पराथना किया करउ कि ई जाड़ेन म न होय। [19]काहे ते उइ दिन अइस कलेस के दिन हुइ हंइ कि सिरिस्टी क सुरुवइ ते जउन परमेसुर सिरजा हइ अबउ तलक न तउ भये न फिरि कबहूं हुइ हइं। [20]अउर अगर परभु उइ दिनन क न घटावति, तउ कउनउ पराजिउ न बचति, पइ उइ चुनेइ हुएन के कारन जिन्हका ऊ चुनिसि हइ, उइ दिनन क घटाइसि। [21]उइ समय अगर कउनउ तोहिसे कहइ, देखउ, मसीह हियां हइ या देखउ, उहां हइ, तउ विसवासु न करेउ। [22]काहे ते झूठे मसीह अउर झठेइ नवी उठि खड़े हुई हइ अउर चीन्ह अउर अदभुत् कामन क देखइ हइं अउर अगर हुइ सकइ तउ चुने दुवउ क करवाइ देय। [23]पइ तुइ चौकनना रहउ देखउ तोहिते सबइ बातन क पहिलेइ ते कहि दिहेन हइ।
[24]उइ दिनन म, उइ कलेस के बादइ सूरज अन्धेरु हुई अउर चन्दरमा परकास न देई।
[25]अउर आकास ते तारउ गिरइ लागि हइं अउर आकास केर सबइ सक्तियां हिलाई जाइहैं।
[26]तबइ लोग मनई के बिटवा क बड़िय सामरथ अउर महिमा के साथइ बादलन म आवति देखि हइं। [27]ऊ समय ऊ अपन दूतन क भेजिकइ धरती के ई छोर ते आकास के ऊ छोर तलक चारउ दिसा ते आपन चुनेइ भएन लोगन क यकट्ठा करि हइं।
[28]अंजीर के पेड़ ते ई उदाहरनु सीखउ जवइ उइकी डारि कोमल हुइ जाति, अउर पत्ता निकरइ लागति हइं, तउ तुइ लेति हइ कि गरमी क समय निकट हइ। [29]इहइ रीति ते जबइ तुइ इन बातन क होतेइ देखुउ तउ जानि लेउ कि ऊ निकटइ हइ बल्कि दुआरेइ पइ हइ। [30]हम तुइते सांचि कहति हइ कि जबइ तलक ई सबइ बातइ नाई हुई लेहइं तब तलक ई जात न रहि हइं। [31]आकास अउर धरती टलि जइहइं, पइ हमारि बातइ कबहूं न टलि हइं।

जागति रहउ

[32]उइ दिन या उइ घरी के बारे म कउनउ नाई जानति न सरग क दूत अउर न बेटवा, पर केवल पिता।
[33]देखउ जागति अउर परारथना करति रहउ, काहे

ते तु नाई जानति कि ऊ समउ कबइ अइहइ। 34ई ऊ मनई की लइस दसा हइ जउनु परदेसु जाति अपन घर छोड़ि जाई अउर अपन दासन क अधिकारु देय अउर हर याक का उइ का कामु जताइ देय, अउ दुआर पालक जागति रहइ कि आग्या देय। 35यहिते जागतु रहइ काहे ते तुइ नाई जानति कि घर मालिक कब आई, सांझ केर या आधी राति केर या मुर्गा केर बांग देइ केर समउ या भोर क। 36अइस न होय कि ऊ अचानक आइ कइ तोहिका सोवति पावइ। 37अउर जउन हम तुइते कहिति हइ, वहइ सबन ते कहित हइ, जागति रहउ।

बैतनियाह म यीसु केर अग्यजन

14 दुइदिनइ के बाद फसह अउर अखमीरी रोटी क परबी होय वाली रहइ, अउर माहायाजक अउर सासतरी ई बात की खोजु म रहइ कि ऊ का काहे कइ छलु ते पकरि कइ मारि डारई। 2यह कहति रहइ, कि परबी के दिन नाई, कबहूं अइस न होय कि लोगन म बलवा हुइ जाय।

3जबइ ऊ बैतनियाह म समौन कोढ़ी के घर पइ भोजनु करइ बइठा भवा रहइ तवइ एक मेहरारु संगमरमर के बरतन म जटामासी क बहुमूल्य सुद्ध इतर लइकइ आई, अउर बरतन कइ तोड़िकइ इतर क ऊ के सिर पइ उड़ेलिसि।

4पइ कउनउ कउनउ अपन मनई म रिसियाइ कइ कहन लाग ई इतरक काहे सत्यनासु किन गवा। 5काहे ते ई इतर का तउ तीनिसउ दीनारउ ते अधिक मूल्य म बेचिकइ कंगलन कइ बांटा जाइ सकति रहइ अउर उइ ऊ का छिड़कई लाग।

6यीसु कहिन ऊ का छोड़ि देउ, ऊ का का सतावति हउ, ऊ तउ हमारे साथ भलाई किहिस हई। 7कंगाल तोहरे साथइ सदइ रहति हइ, अउर तुइ जबइ चाहइ तबइ उनहुन की भलाई करि सकति हउ। 8जउनु कछु ऊ करि सकी, ऊ किहिसि ऊ हमरे गाड़े जाई कि तयारी म पहिलेइ ते हमरी देह पइ इतर मलिसि हइ। 9हम तुइते सांचु कहित हइ कि सारेइ जगत म जहइं कहीं सुसमाचारु क परचार कीन जइहइं उहां ऊके ई काम की चरचाउ ऊ के याद म की जइहइं।

10तबइ यहूदा इस करियोती जउन बारह म ते याक रहइ महायाजकन क नेरे गवा कि उइका उन्हके हाथन पकरवाय देय। 11उइ ई सुनिकइ आनन्द मगन भए अउर ऊ का रुपियन क स्वीकारु किहिन, अउर ई अवसरु क ढूढ़इ लाग कि ऊ का कउनउ पकरवाइ देइ।

आखिरी भोजु

12अखमीरी रोटिक परविक पहिलेइ दिन जेहिमा उइ फसह क बलिदानु करति रहइ ऊ के च्यालन ऊ ते पूछिसि तू कहां चाहति हइ कि हम जाइके तोहार खातिर फसह जाउ कि तय्यारी करइं?

13ऊ अपन च्यालन मेते छुइ के ई कहि कइ भेजिसि, कि नगर म जाउ अउर एकु मनई जलु क घड़ा उठाए भए तोहिका मिलि हइं ऊ के पाछे हुइ लिएउ। 14अउर जउनइ घर मा जाइ, ऊ घर के मालिक ते कहउ, गुरू कहति हइ कि हमार पाहुन साला, जेहिमा हम अपन चेलन के साथइ फसह खाई ऊ कहां हइ। 15यू तोहिका याक सजी सजाई अउर तयार की भई बड़ी अटारी देखाइ, उहां हमार खातिर तयारी करउ।

16यहिते च्याला निकरि कइ नगरु मं आए अउर जइस ई उनते कहिसि रहइ, वैसइ पाएन, अउर फसल तयार किहिन।

17जबइ सांझ भई, तउ ऊ बारहउ के साथइ आवा। 18अउर जबइ वइ वइठि भोजनु करि रहे रहइं, तउ यीसु कहिन, हम तो सबते सांचु कहति हइं, कि तुइ म ते एकु जउनु हमरे साथ भोजनु करि रहा हइ मोहिका पकरवहइं।

19ऊ पइ उदासी छाइ गई अउर वइ याक–याक करिकइ ऊ ते कहइ लाग, का उइ हम हन?

20ऊ उनते कहिसि वह बारहवन मा ते याक हइ, जउनु हमरे साथइ थाली म हाथु डारति हइ। 21काहे ते मनई क बेटवा तउ, पाइस उइके बारे म लिखउ हइ, जाइत हइ, पइ उइ मनई क धिक्कारु, जेहिके जरिए मनई क बेटवा पकरवावा जाति हइ। अगर उइ मनई क जनमु न होति, तउ ऊ के खातिर भलउ होति।

22अउर उइ जवइ खाइ रहे तउ ऊ रोटी लिहिसि अउर असीसु मांगि कइ ऊ का तोरिसि अउर उनहुन क दिहिस अउर कहिसि लेउ ई हमार देह हय।

23फिरि उ कटोरा लइकइ परमेसुर क धन्यवाद दिहिसि अउर उनहुन क दिहिस अउर उइ सबइ ऊ माते पीहिन।

24अउर ऊ उनते कहिसि ई वाचा कि हमार ऊ लहू हइ, जउन बहुतन के खातिर बहावा जाति हइ। 25हम तुइते सांचइ कहति हइ कि दारु क रस उइ दिन तलक फिर कबहूं न पियवा, जबइ तलक परमेसुर के राज म नया न पियउ।

26फिर वह भजनु गाइ कइ बाहर जैतून के पहार पइ चलेइ गये।

पतरस यीसु केर मुकरित केर भबिसवानी

27तबइ यीसु उइते कहिसि, तुम सबइ ठोकरु
खइहउं काहे ते लिखउ हइ, कि भइ रखवाले क मारि
हउ, अउर भेड़ तितर–बितर हुइ जइ हइं। 28पइ हम
अपन जी उठइ के बादइ तुइते पहिले गलील जइहउं।
29पतरस ऊ ते कहिसि, अगर सबइ ठोकरु खाय
तउ खाय पइ हम ठोकरु नाइ खइहउं।
30यीसु उइते कहिनि, हम तुइते सांचइ कहति हउ
कि आजइ ई राति क मुर्गे के दुइ बार बांग देवे के
पहिले तुइ तीनि बार मोहिते मुकरित जइहइं।
31पइ ऊ अउर जोरु दइ कइ कहिसि, अगर मोहि
का तोहरे साथइ मरियउ क परइ तउ इनकारु कबहूं
न करिहउं इहइ परकार अउर सबइ उ कहिनि।

गतसमने बाग म

32फिरि वह गत समने नाउ के याकु जगह म आइ
ऊ आपन चेलन ते कहिसि, इहंइ बइठे रहउ, जबइ
तलक हम पराथना करी। 33अउर ऊ तरस अउर
याकूब अउर यहुन्ना क अपन साथइ लइ गवा अउर
बहुतइ अधीर अउर व्याकुल होइ लाग। 34अउर ऊ
उनते कहिसि, हमार मन बहुतइ उदास हइ, हियां
तलक कि हम मरइ पर हन, तुइ हियां ठहरि जाय
अउर जागति रहउं।
35अउर क थोरइ आगेइ बढ़ा अउर भूमि पइ गिरि
कइ परारथना करइ लाग कि अगर हुइ सकइ तउ ऊ
घरी मुंइ पइते टरि जाइ। 36अउर कहिसि, हे अब्बा,
हे बप्पा, तुइते सबइ हुइं सकति हइ, ई कटोरे क हमरे
पास ते हटाइ लेउ। तउ जइस हम चाहति हइ, वइस
नाई पइ जउन तइ चाहति हइ, वहइ होइ।
37फिरि ऊ यीसु जबइ आवा अउर उन्हका च्यालन
क सोवति पाइ कइ पतरस ते कहिस अरे समौन तुइ
सोइ रहा हइ? का तुइ याकउ घरिउ न जागि सका।
38जागति अउर परारथना करति रहउ कि तुइ परीच्छा
म न पड़इ आत्मा तउ तयार हइ पइ सरीर दुबला हइ।
39अउर ऊ फिरि चलइ गवा, अउर उहइ बात क
कहिकइ परारथना किहिसि। 40अउर फिरि आइकइ
उन्हका सोवति पाइसि, काहे ते उन्ह के अंखिया नींद
ते भरी रहइ, अउर नाई जानति रहइं कि उइका का
जवाबु देय।
41फिरि तिसरउ बार आइकइ उन्हते कहिन, अब
सोवति रहउ, अउर विराम करउ, बसि, घरी पहुंची
हइ। देखउ मनइक बेटवा पापिन के हाथु पकरवावा
जाति हइ। 42उठउ चलउ, देखउ, हमार पकरइवाला
निकटइ आइ पहुंचा हइ।

यीसु बन्दी भवा

43ऊ इहइ कहिय रहा रहइ कि यहूदा जउन बारहन
म ते रहइ अपन साथइ महायाजकन, सासतरिन अउर
मुरवियनउ की ओर ते याक भारी भीड़ तलवारइ
अउर लाठिन क लिये भये तुरतइ आइ पहुंची।
44अउर उइका पकरेइ वालेउ, उन्ह का इउ कहि
दिहिसि कि जेहिका हम चूमीं अउर ऊ बहर हइ।
उइका पकरि के जतन ते लइ जाएउ। 45अउर ऊ
आवा, अउर तुरतइ उइके नेरे जाइके कहिसि, अरे
खली अउर ऊ का बहुतइ चूमिसि। 46जबइ उनहुन
प हाथु डारि कइ उइका पकरि लिहिस। 47उन्हमा ते
जउन पासइ खड़े रहइं याक तलवारु खींचि कइ
महायाजक के दासु पइ चलाइसि अउर ऊ का कानु
उड़ाइ दिहिसि।
48यीसु ऊ ते कहिन, का तुइ डाकू जानि कइ हमरे
पकरावइ के खातिर तलवारइ अउर लठियन क
लइकइ निकसे हउ। 49मइ तउ रोजु ई मंदिर म तोहरे
साथइ रहि कइ उपदेसु दियत करति हइ। अउर तबइ
तुम मोहिका नाई पकरिति, पइ इव ई कारन भवा हइ
कि पवित्तर सास्तर कि बातइ पूर होय। 50ई पइ सबइ
चेलउ ऊ का छाड़ि के भागि गए।
51अउर याक जवानु नंगी देह पइ चादर ओढ़े भये
ऊ के पाछेइ हुइ लिहिसि अउर लोगन उ का पकरिन।
52पइ उइ चादर छोरि के नगर भागि गवा।

महापुरोहित केर समूहे यीसु

53फिर वह यीसु क महायाजकन के नेरे लइ गये,
अउर सबइ महायाजक पुरनिये अउर सास्तरी इकट्ठे
हुइ गये। 54पतरस दुरइ–दुरइ के पाछइ–पाछे महयाजक
(महापुरोहित) के आंगन केर भीतर तलक गवा। अउर
पियादन के साथइ बैठि कइ आगि तापइ लागि।
55महापुरोहित सारिइय महासभा यीसु क मारि
डारइ के खातिर उइके विरोधु म गवाही कि खोजु म
रहय पइ न पाइन। 56काहे ते बहुतेरे ऊ के विरोधु म
झूठी गवाही देइ रहे रहइ, पइ उनकी गवाही याक
जइस नाई रहंइ।
57तबइ कितनेउ उइकइ उइ पइ ई झूठी गवाही
दिहिन। 58कि हमई का ई कहति सुनने हइ कि हम
ई हाथु ते बनाएइ मन्दिरु क ढहाइ देइल, अउर तीन
दिनन मं दूसर बनाइ देइब, जउनु हाथु ते न बना होई।
59ई परउ उन्हिकेर गवाही यक सी न निकरी।
60तबइ महायाजक (महा पुरोहित) बीचइ म खड़े
हुइ कइ यीसु ते पूछिसि कि तुइ कउनउ उत्तरु
(जबाबु) नाई देति? ई लोग तुम्हरे विरोधु म का

गवाही देत हइ? 61पइ ऊ चुपइ रहा अउर कछुइ जवाबु नाई दिहिस। महापुरोहित (महायाजक) ऊ ते फिरि पूछिसि, तौ तुइ उइ परम धन्य क बेटवा मसीह हइ।

62यीसु कहिन, हां हमहीं हन, अउर तुइ मनई के बेटवा क सक्तिमान कि दहिनी ओरइ बैठिके, अउर अकासु के बादरन के साथइ आवति देखिहंउ।

63तबइ महायाजक अपन कपरन क फरिकइ कहिसि, अब हमका गवाहन अउर परयोजन नाई हइ। 64तुइ ई निन्दा क सुनेउ, तुम्हारि का राय हइ? 65तबइ कउनउ तउ ऊ पइ थूकइ कउनउ का मुंह ढांपइ, घूसन ते मारदूक अउर ऊ ते कहइ लाग कि भबिसयु की बानी करउ अउर पियारन हा उइका लइकइ थप्पड़उ मारिनि।

पतरस केर इन्कार करन

66जबइ पतरस नीचे के अंगना म रहइ, त महायाजक की सेवकन म ते याक उहां आई। 67अउर पतरस क आगि तापति देखि कइ उइ पइ टकटकी लगाइके देखिति अउर कहइ लागि, तुहउ तउ उइ यीसु के साथ रहइ।

68ऊ मुकरि गवा अउर कहिसि कि हम तउ नाई जानिति अउर नाई समुझित कि तुइका कहति हइ फिरि ऊ बाहर डेउढ़ी म गवा अउर मुर्गा बांग दिहिस।

69ऊ नौकरानी उइका देखिकइ उन्हते जउनु नेरेइ खड़े रहइ फिरि कहइ लाग इउ उइमा ते याक हइ। 70पइ ऊ फिरिउ मुकरि गवा अउरु थोरिस देर बाद उनहुन जउनु पासइ खड़े रहइ फिरि पतरस ते कहिनि जरुरइ तुइ उन्ह मां याक हइ, काहे ते तुइ गलीलिउ हइ।

71तबइ ऊ इनकारइ अउर सपथु खाइ लाग, कि हम उइ मनइक जेहिकी तुम चरचा करति हइ नाई जानति।

72तबइ तुरतइ दूसरी बार मुर्गा बांग दिहिसि, पतरस क ऊ बात यदि आई जउन यीसु उइते कहिसि, रहइ कि मुर्गा के दुइ बार बांग देइते पहिले तुइ तीन बार इन्कारु करिहइ, ऊ कई बात क सोचि कइ रोवय लागी।

राज्यपाल पीलातुस केर समूहे यीसु

15 अउर भोरु हुइ तइ तुरतइ महायाजक पुरनियन अउर सासतरियन नाई बल्कि सारिय महासभा सलाह कइ कय यीसु के बंधवाइस अउरु उइका लइजाइ के पिलातुस के हाथन म सौंपि दिहिस।

2अउर पिलातुस उइते पूछिसि का तुइ यहूदियन क राजा हइ? ऊ उइका उत्तरु दिहिस कि तुइ आपइ कहति हइ।

3अउर महायाजक उइ पइ बहुत बातन क दोसु लगाइ रहे रहउ। 4पिलातुस ऊ ते फिरि पूछिसि, का तू कुछ उत्तरु नाहीं देति देखेउ, यहु तुइ पर कितनिय बातन क दोसु लगावत हइ? 5यीसु फिरउ उत्तर नाहीं दिहिन, हियां तलकु कि पिलातुस क बड़इ आचरजु भवा।

6अउर ऊ वइ परतिम कउनउ याक बंधुए क जिहिका उइ चाहति रहइं उन्ह के खातिर छोड़ि दियइ करति रहइं। 7अउर बरअब्बा नउक याक मनई उइ बवालियन क साथइ बंधुआ रहइं जउनु बलवा म हतिया किहिसि रहइ। 8अउर भीड़ ऊपर जाइकइ उइ ते विनती करइ लागि कि वइसइ तुइ हमरे खातिर करति आवा हइ वइसइ करइ।

9पिलातुस उन्हका ई जवाबु दिहिस का तुइ चाहति हइ, कि हम तुम्हरेन खातिर यहूदियन के राजा क छोड़ि देइ। 10काहे ते ऊ जानति रहइ कि महायाजक उइका डाह ते पकरवाइस रहइ। 11पइ महायाजक लोगन क उभारिन कि ऊ पर अब्बइ क उइके खातिर रिहा करि देई।

12ई सुनि कइ पिलातुस ऊते फिरि पूछिसि तउ जेहिका तुइ यहूदियन क राजा कहति हइ उइका हमका करीं? वइ फिरि चिल्लाए कि वइका क्रूस पर चढ़ाइ देउ।

13पिलातुस उनते कहिसि, ई का बुराई कहिस हइ।

14पइ उइ अउरउ चिल्लाइ उठे कि वइका क्रूस पइ चढ़ाइ देउ।

15तबइ पिलातुस भीड़ क परसन्न करइकै इच्छा ते बर अब्बा क उनके खातिर छोड़ि दिहिस, अउर यीसु क कोड़ा लगवाइ कइ सउंपि दिहिस कि ई का क्रूस पइ चढ़ावा जाई।

सिपाहियन दुवारा उपहास

16अउर सिपाहिउ ऊ का कितने के भीतरी आंगनम लइ गए जउन प्रीटोत्युन कहलावति हइ, अउर सारिय पलटन क बुलाइ लाए। 17अउरु उइ ऊ का बैगनी कपड़ा पहिनाइन अउर कांटेन का मुकुट गूंथ कइ ऊ के सिर पर रखिन। 18अउरु ई कहि कइ ऊ का नमसकारु करइ लाग कि हे यहूदियन के राजा नमस्कार। 19अउरु वह ऊके सर पर मारति अउरु उइ पइ थूकति, अउरु घुटनेइ टेक कई उनका परनाम करति

रहइं। 20अउरु जबइ ऊ का ठट्ठा करि सकइ तउ ऊ पइतै वैगनी कपरा उतारि कइ वहिकी कपरे पहिनाइन, अउरु तबइ ऊ का क्रूस पइ चढ़ावइ के खातिर बाहर लइ गए।

सलीब

21अउरु सिकन्दर अउरु, रुफूस केर बाप समौन नाम केर याक कुरनी मनई जउन गांवु ते आवा रहइ उइ ओरु ते निकसा, उइ ऊ का बेगारी मां पकड़ा कि ऊ का सलीब उठाइ लइ चलइ। 22अउरु वह ऊपर गुलगुला नाउकी जगह पर जेहिके माने खोपरी की जगह हइ लइ आए। 23अउर ऊ का मुर्र मिला भवा दाख रस देइ लागे अउर ऊ नाई लिहिस। 24तबइ उइ ऊ का क्रूस पइ चढ़ाइनि अउर उइके कपरन पर चिट्ठिन क डारि कइ कि केहिका का मिलइ उनका बोट लिहिन।

25अउर पहर दिनु चढ़ि गवा रहय, जबइ उइ ऊका क्रूस पइ चढ़ाइनि। 26अउर उइका दोसु पत्तर लिखकइ ओके ऊपर लगाइ दीन गवा कि ''यहूदियन क राजा''। 27अउऊ उनहुन ऊ के साथइ दुइ डांकू याक पहिली दाहिनी अउरु याक वहिकी बायीं ओर सलीब पइ चढ़ावइ। 28तबइ धरम सास्तरन का उइ बचन कि ऊ अपराधिन के साथइ गिना गवा पूर भवा। 29अउर मारग म जाइ वाले सिर हिलाय–हिलाय कइ अउर ई कहि कइ ऊकी निन्दा करति रहइ कि वाहू। मंदिरन क ढ़ाहइ वालेइ अउर तीन दिन में बनावइ वालेइ। क्रूस पर ते उतरि कइ अपन आप क बचाइ लेइ। 30इहर रीति ते महायाजकउ सासतरिन समेत।

31आपस म ठट्ठा करति कहति रहइ कि ई अउरन क बचाइसि अउर अपनेइ क नाई बचाइ सकति। 32इसराएल के राजा मसीह अबइ क्रूस पर ते उतरि आए कि हम देखि कइ विसवासु करीं अउरु जउनु ऊ के साथइ क्रूस पइ चढ़ाए गए रहइं, वउ ऊ की निन्दा करति रहयं।

परभु यीसु केर मिरतू

33अउरु दुपहर होइ पइ सारेइ देसु मां अंधियारु छाइ गवा, अउर तीसरे पहर तलक रहा। 34तीसरे पहर यीसु ऊंचे सब्दन मं पुकारि कइ कहिन 'इलोई इलोई' 'लमा सबक तनी'? जेहिके माने ई हइ कि हे हमरे परमेसुर! हे हमार परमेसुर! तुहि मोहिका काहे छोरि दिहिस?

35जउनु पासइ खड़ेइ रहें उनमा ते कितनेउ ई सुनि कइ कहिन देखउ, इव इल्लियाह क पुकारति हइन।

36अउरु याक दौरि कइ, इस्पंजु का सिरका म डुबोइस अउर सरकंडे पइ रखिकइ ऊ का चुसाइसि अउर कहिसि ठहरि जाउ देखउ, कि एल्लियाहु ऊ का उतारइ के खातिर आवति हइं कि नाई।

37तबहू यीसु ऊंचे सब्दन ते चिल्लाइ कइ परान छोरि दिहिन।

38अउरु मंदिर क परदा ऊपरि ते नीचे तलक फटिकइ दुइ टुकरन म हुइ गवा। 39जउनु सूबेदारु ऊ के समुहइ खड़ा रहइं जबइ ऊ का ई चिल्लाइ कइ परान छोड़त भए देखिसि, तउ ऊ कहिसि, सचमुचइ ई मनई परमेसुर क बेटवा हइ।

40कइयउ मेंहरियउ दूरि ते देखि रही रहय, उनमा मरियम मगदलीनी अउरु सलोमिउ रहइ। 41जबइ ऊ गलील म रहइं तबइ ई उइके पाछे हुइ लेति रहइं अउरु उनकी सेवा टहलि करति रहयं। अउरु बहुतइ मेहरारिउ रहइं जउनु ऊ के साथइ यरुसलेम मं आई रहयं।

कबर मं रखा जाना

42जवइ सांझु हुइ गई तबइ इनके खातिर तयारी कु दिनु रहइ, जउनु सबत के याक दिन पहिलेइ होति हइं। 43अमरतिया क रहइ वाल यूसुफ आवा, जउनु परतीति ते मन्त्री अउर खुदउ परमेसुर के राज क बाट जोहत रहइ, ऊ हियाबु करि कइ पिलातुस के नेरे गवा अउर यीसु के लोथ क मांगिसि। 44पिलातुस अचरज किहिसि कि ऊ इतनी जल्दी मरि गवा अउरु सूबेदारु क बुलाइके पूछिसि, कि का उइका मरेउ भए देर भई? 45ई ते जबइ सूबेदारु के जरिए हालु जानि लिहिस तउ लोथ क यूसुफ क दिलाइ दिहिस। 46तबइ ऊ याक पतरी चादरु मोलु लिहिस अउर लोथक उतारुकइ उइ चादर म लपेटिसि अउर याक कवर मं जउन चट्ठान म खोदी रही, अउर कवर के दुआर पर याक पत्थर लुढ़कई दिहिसि। 47अउरु मरियम मगदलीनी अउर योसेस की महतारी मरियम देखि रही रहयं कि ऊ कहां रखा गवा हइ।

पुनरुत्थानु

16 जबइ सब तक दिनु बीती गवा, तबइ मरियम मगदलीनी अउर याकूब की महतारी अउर सलोमी खुसबू वाली चीजन क खरीदिन कि आइ कइ ऊ (यीसु) प भलइ। 2अउर हफ्ता के पहिलेइ दिन तड़के भोरइ क जबइ सूरजु निकरइ वाला रहय वइ कबर प आइ गइ। 3अउर आपसइ म

कहतिइ रहइं कि हमरे खातिर कबर के दुआरे पड़ते कवनु लुढ़काइ हइ।
4जबइ उइ आंखि क उठाइन तउ देखिन कि पाथर लुढ़का भवा रहइ काहे ते बहु बहुतइ बड़इ रहइ। 5अउर कबर के भीतरि जाइ कइ उइ याक जवान क सफेद कपरा पहिने भये दाहिनी ओर बैठि देखिनि अउर बहुतइ चकित भई।
6ऊ उन्हते कहिस चौंकउ नाहीं तुम यीसु नासरिक जउन क्रूस पै चढ़ावा गवा रहइ, ढूढ़ति, हउ, ऊ जी उठा हइ, हियां नाई हइ, देखउ इहर ऊ अस्थानु इह जहइं जउन ऊ का राखिन रहइं। 7पइ तुइ जाउ अउर ऊके चेलन अउर पतरस ते कहउ कि ऊ तुइते पहिलेइ गलील क जइ हंइ, जइस उइ तोहि ते कहिस रहइं, तुइ हुवइं ऊ का देखि हउ।
8अउर वइ निकरि कइ कवर ते भागि गई काहें ते कंपकंपी अउर घबराहटु उन्ह पइ छाइ गइय, रहइं अउर अइ कउनउ ते कछु नाई कहिन, काहे ते डरतिय रहइं।
9हफ्ता के पहिलेइ दिन मारे होतइ ऊ जी उठि कइ पहिलेइ पहिल मरियम मगदलीनी क देखि गवा, जेहिमा ते उइ सातउ बुरी आतमा निकसी रहइं। 10ऊ जाइ कइ ऊ के साथिन क जउनु दुखु म डूबेइ रहइं अउर रोइ रहे रहइं, समाचारु दिहित। 11अउर उइ इब सुनिकइ कि ऊ जियति हइ अउर ऊ उइ का देखिति हइ, परतीत नाई किहिस।
12ई के बादइ ऊ दुसरे रूप मं ते दुइ क दिखाई दिहिस जबइ उइ गांव की ओर जाइ रहे रहइं। 13उनहुन जाइकइ अउरन क समाचारु दिहिन, पइ अहुन उन्ह किउ परतीति नाई किहिन।
14बादिक ऊ उइ ग्यारहउ क दिखाई दिहिसु, जबइ ऊ खाइक बइठइ रहइं, अउर उन्हकेर अविसवासु अउर मनई की कठोरता पइ उलाहवउ दिहिस काहे ते जउनउ ऊ के जी उठइ के बादि ऊ का देखिन क रहइं, इनहुन उइकी परतीति नाई किहिन रहइं।
15अउर ऊ उनते कहिसि, सारइ जगत मं जाइके सगरे संसारु क लोगन म सुसमाचारु क परचारु करउ। 16जउन बिसवासु करइ अउर बपतिसमा लेइ उइका मुकुति होई, पइ जउनु विसवासु नाई करिहइं ऊ दोसी ठहरावा जइहइं। 17अउर विसवासु करइ वालेन के ई चीन्ह हुइहइं कि वह हमारे नाउते बुरी आतमन क निकरिहइं। 18नइय नई मासन क वोलिहइं, सांपन क उठाइ लेहइं अउर अगर उइ नास करइ वाली चीजउ पाइ जइहइं तउ उन्हकी कछु हानिउ नाई होई उइ बीमारन प हाथु रखिहइं अउर उइ चंगंइ हुइ जइहइं।
19आखिर मं परभु यीसु उन्हते बातइं करइ के बादइ सरग मं उठाइ लिए गए। अउर परमेसुर के दाहिनी ओर बइठि गए। 20अउर चेलन निकरि कइ सबइ जगहन म परचारु किहिन अउर परभु यीसु उन्हके साथइ कामु करति रहा, अउर उइ चीन्हन केर जरिए, जउनु साथ साथ रहति रहइं बचनन केर मजबूत करति रहइं।